कवित्तरामायन

संवत् १९०७ शाके १७७२
पौषशुक्ल ६ भौमवासरे

श्रीकाशीविश्वना
थपुरीमेंगणेशछा
पेखानेमेंरामप्रसादकेय
हांकवित्तरामायणछापीगई
जिसकोलेनाहोयतोठीकाना
ढुंढिराजगणेशकेपासदाऊ
कीदुकानमे
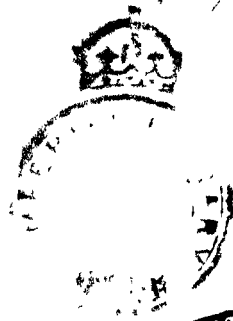
श्रीगणेशायनमः श्रीमतेरामानुजायनमः सवैया
अवधेसकेद्वारेसकारेगईसुतगोदकैभूपतिलैनिकसे
अवलोकिहौंसोचविमोचनकोठगिसीरहीजेनठगेधिक
से तुलसीमनरंजनरंजितअंजननैनसुखंजनजातकसे
सजनीससिमेंसमसीलउभैनवनीलसरोरुहसेविकसे

पगनूपुरग्यौपहुँचीकरकंजनिमंजुबनीमनिमालहिये नवनू
नीलकलेवरपीतझगाझलकैपुलकैनृपगोदलिये अरबिंद
सोआननरूपमरंदअनंदितलोचनभृंगपिए मनमोंनबस्यो
ऐसोबालकज्यौंतुलसीजगमेंफलकौनजिए २ तनकी
दुतिस्यामसरोरुहलोचनकंजकीमंजुलताईहरैं अतिसुंद
रसोभितधूरिभरेछबिभूरिअनंगकीदूरिधरै दमकैंदतियाँदु
तिदामिनिज्यौंकिलकैंकलबालबिनोदकरैं अवधेसकेबाल
कचारिसदातुलसीमनमंदिरमैंबिहरैं ३ कबहूँससिमाँगत
आरिकरैकबहूँप्रतिबिंबनिहारिडरैं कबहूँकरतालबजाइ
केनाचतमातुसबैमनमोदभरैं कबहूँरिसिआइरहैहठिकै
पुनिलेतसोइजेहिलागिअरैं अवधेसकेबालकचारिसदातु
लसीमनमंदिरमेंबिहरैं ४ बरदंतकीपंगतिकुंदकलीअधराध
रपल्लवपोलनकी चपलाचमकैघनबीचजुगैछबिमोतिन
मालअमोलनकी घुंघुरारीलटैंलटकैमुखऊपरकुंडललोल
कपोलनकी नवछावरप्रानकरैतुलसीबलिजाउँललाइ
नबोलनकी ५ पदकंजनिमंजुबनीपनहीधनुहीसरपंकज
पाणिलिए लरिकासंगखेलतडोलतहैंसरजूतटचौहटहाटहिए
तुलसीऐसेबालकसेनहिनेहकहाजपजोगसमाधिकिए
नरवेषसहकुरलानसमानकहौजगमैंफलकौनजिए ६ सर
जूबरतीरहिंतीरफिरैंरघुबीरसखाअरुबीरसबै धनुहीकरती
रनिषंगकसेकटिपीतदुकूलनवीनफबै तुलसीतेहिऔसर
लावनितादसचारिनौतीनिएकीससबै मतिभारतिपंगुभई
जोनिहारिबिचारिफिरीउपमानपवै ७ घनाक्षरी छोनीमे

केछोनीपतिछाजेजिन्हेंछत्रछायाछोनीछोनीछायेछिति। आएनिमिराजके प्रबलप्रचंडबरिबंडबरबेषबपुबरिबेकोबो लेबैदेहीबरकाजके बोलेबंदीबिरदबजाइबरबाजनेऊबा जेबाजेबीरबाहुधुनतसमाजके तुलसीमुदितमनपुरनरना रिजेतेबारबारहेरैंमुखऔधमृगराजके ८ सीयकेस्वयंबर समाजजहांराजनिकोराजनिकेराजामहाराजाजानैनामको पवन पुरंदरकृसानुभानुधनदसेगुनकेनिधानरूपधामसोमकाम को बानबलवानजातुधानपतिसारीबेसरजिन्हगुमानस दासालिमसंग्रामको तहांदसरत्थकेसमर्थनाथतुलसी केचपरिचढायोचापचंद्रमाललामको ९ मयनमहनपु रदहनगहनजानिआनिकैसबैकोसारधनुषगढायोहै ज नकसदसिजेतेभलेभलेभूमिपालकिएबलहीनबलआप नोबढायोहै कुलिसकठोरकूर्मपीठितेकठिनअतिहठिन पिनाककाहूचपरिचढायोहै तुलसीसोरामकेसरोजपानि परसतहीटूट्योमानोबारेतेपुरारिहीपढायोहै १० छप्पै डिगतिउर्बिअतिगुर्बिसर्वपब्बैसमुद्रसर ब्यालबधिरतेहिका लबिकलदिगपालचराचर दिग्गयंदलरखरतपरतदसकंध मुखभर सुरबिमानहिमभानुभानुसंघटितपरस्पर चौंकेबि रंचिसंकरसहितकोलकमठअहिकलमल्यो। ब्रह्मंडखंडकि यौंचंडधुनिजबहिराममसिवधनुदल्यो ११ घनाक्षरी लो चनाभिरामघनस्यामरामरूपसिसुसखीकहैसखीसोंतूप्रेमा पयपालिरी बालकनृपालजूकेख्यालहीपिनाकतोर्यौमं डलीकमंडलीप्रतापदापदालिरी। जनककोसियाकोहमारो

तुलसीकोसबकोभावतोहै हैमैंजोकह्योकालिरी कौसिल्या कोकोषिपरतोषितनपरवारियेरीरायदसरत्थकीबलायलीजे आलिरी १२ दूबदधिरोचनाकनकथारभरिभरि आरतीसँ वारिबरनारिचलींगावतीं लीन्हेंजयमालकरकंजसोहैजान कीकेपहिरावोराघोजीकोसषियाँसिषावतीं तुलसीमुदितम नजनकनगरजनझाँकतींझरोषेलागीसोभारानीपावतीं मान हुँचकोरीचारुवैठींनिजनिजनीडचंदकीकिरिनिपीवैपलकौ नलावतीं १३ नगरनिसानबरबाजैव्योमदुंदुभीबिमानचढि गानकैकैसुरनारिनाचहीं जयतिजयतिहूँपुरजयमालरामउर बरषैंसुमनसुरहरेरूपराचहीं जनककोपनजयोसबकोभावा तोभयोतुलसीमुदितरोमरोममोदमाचहीं साँवरोकिसोरगोरी सोभापरतनतोरीजोरीजियोजुगजुगजुवतिजनजाचहीं १४ भलेभूपकहतभलेभदेसभूपनिसोलोकलषिबोलिएपुनीतरी तिमारषी जगदंबाजानकीजगतपितुरामभद्रजानिजियजोवो होजोलगेनमुहकारषी देषेहैंअनेकव्याहसुनेहैंपुरानबेदबूझे हैंसुजानसाधुनरनारिपारषी ऐसेसमसमधीसमाजनविरा जमानरामसेनबरदुलहीनसीयसारषी १५ बानीबिधिगो रीहरिसेसहूगणेसकहीसहीभरीलोमसभुसुंडिबहुबारिषो चारिदसभुवननिहारिनरनारिसबनारदसोंपरदाननारदसोंपा रिषो तिन्हकहीजगमेंजगमगातिजोरीएकदूजीकोकहैयाको सुनैयाचषचारिषो रमारमारमनसुजानहनुमानकहीसीयसीनती यनपुरुषरामसारिषो १६ सवैया दूलहश्रीरघुनाथबनेदुल हीसियसुंदरमंदिरमाँही गावतिगीतसबैमिलिसुंदरिबेदजु

बासुरिबिप्रपटाँहीं रामकोरूपनिहारनिजानकीकंकनकेनग
कीपरछाँहीं यातैंसबैसुधिभूलिगईकरटेकिरहीपलटारति
नाँहीं १७ घनाक्षरी भूपमंडलीप्रचंडचंडीसकोदंडखंड्यो
चंडबाहुदंडजाकोताहीसोकहतहौं कठिनकुठारधारधरिबे
कीधीरताहिबीरताबिदितताकीदेषिऐचहतहौं तुलसीसमा
जराजतजिसोबिराजैआजुगाज्यौमृगराजगजराजज्यौंगहतु
हौं छोनीमैंनछाड्यौछप्योछोनिपकोछोनाछोटोछोनिप
छपनवाकोंबिरुदबहतुहौं १८ निपटनिदरिबोलेवचनकु
ठारपानिमानीत्रासऔनिपनमानौमौनतागही रोषेमाषेल
षनअकनिअनषोंहीबातैंतुलसीबिनीतबानीबिहँसिऐसी
कही सुजसतिहारेभरेभुवननिभृगुनाथप्रगटप्रतापआपक
ह्योसोसबैसही टूट्योसोनजुरैगोसरासनमहेसजूकोरावरी
पिनाकमैंसरीकताकहारही १९ सवैया गर्भकेअर्भककाट
नकौंपटुधारकुठारकरालहैजाको सोईहौंबूझतराजसभाध
नुकैदलिहौदलिहौंबलताको लघुआननउत्तरदेतबडेलरि
हैमरिहैकरिहैकछुसाको गोरोगरूरगुमानभर्योकहौकौसिकछोटो
साढोटोहैकाको २० घना० मषराषिबेकेकाजराजमेरेसंगदये
दलेजातुधानजेजितैआबिबुधेसके गौतमकीतीयतारीमेटेअ
घभूरिभारीलोचनअतिथिभएजनकजनेसके चंडबाहुदंडब
लचंडीसकोदंडखंड्योब्याहीजानकीजीतेनरेसदेसदेसके
साँवरेगोरेसरीरधीरमहावीरदोउनामरामलषनकुमारकोसले
सके २१ सवैया कालकरालनृपालनकेधनुभंगसुनेफरसा
लियेधाये लषनरामबिलोकिसप्रेममहारिसिहाफिरिआँषि

दिषावे धीरसिरोमनिबीरबडेबिनईबिजयीरघुनाथसोहाये
लायकहैभृगुनायकसोधनुसायकसौंपिसुभायसिधाये २२
१ इतिश्रीबालकाण्डःसमाप्तः १ सवैया कीरके
कागरज्यौंनृपचीरबिभूषनउप्पमअंगनिपाई औधतजीम
गबासकेरूषज्यौंपंथकेसाथजोलोगलुगाईसंगसुबंधुपुनी
तप्रियामानोधर्म्मक्रियाधरिदेहसोहाई राजिवलोचनरामच
लेतजिबापकोराजबटाउकीनांई २३ कागरकीरज्यौंभूषन
चीरसरीरलस्यौतजिनीरज्यौंकाई मातुपिताप्रियलोगसबैस
नमानिसुभायसनेहसगाई संगसुभामिनिभाइभलोदिनहै
जनुऔधहुतेपहुनाई राजिवलोचनरामचलेतजिबापको
राजबटाऊकीनांई २४ घनाक्षरी सिथिलसनेहकहैकौ
सिलासुमित्रासोंमैंनलषीसवतिसषीभगिनीज्यौंसेईहै कहैं
मोहिमैयाकहौंमैंनमैयाभरतकीबलैयालैहौंमैयातेरीमैया
कैकयीहै तुलसीसरलभायरघुरायमायमानीकायमनबा
नीहूंनजानीकीमतेईहै बामबिधिमेरोसुषसिरससुमनसम
ताकोछलछुरीकोहकुलिसलैटेईहै २५ कीजेकहाजीजी
जूसुमित्रापरिपायकहैतुलसीसहावैबिधिसोईसहियतुहै
सवरेसुभायरामजन्महींतैंजानियतभरतकीमातुकोकीबो
सोचियतुहै आइराजघरव्याहिआईराजघरमाहराजपूतपा
येहूंनसुषलहियतुहै २६ गेहसुधागेहतेऊहगहूमलीनकि
येमोहूपरषाहुबिनुराहुगहियतुहै जाकेनामअजामिल
सेरवलकोटिअपारनदीभवबूडतकाढे जोसुमिरेगिरिमेरुसिला
कनहोतअजाषुरबारिधिबाढे तुलसीजेहिकेपदपंकजतेप्रगटीत

रनीजोहरैअघगाढे तेप्रभुपासरितातरिवेकहँमांगतनावकरा
रेह्वैठाढे २७ एहिघाटतेंथोरिकदूरिअहैकटिलौंजलथाहदे
खाइहौंजू पसेपगधूरितरैतरनीघरनीघरक्योंसमुझाइहौंजू
तुलसीअवलंबनऔरकछूलरिकाकेहिभांतिजिआइहौंजू ब
रुमारिएमोहिबिनापगधोएहौंनाथनवाउचढाइहौंजू २८
रावरेदोषनपायनकोपगधूरिकोभूरिप्रभाउमहाहै पाहनते
बनवाहनकाठकोकोमलहैजलखाइरहाहै पावनपायपखारिकै
नाउचढाइहौंआयसुहोतकहाहै तुलसीसुनिकेवटकेबरबैन
नहँसेप्रभुजानकीओरहहाहै २९ घनाक्षरी पातभरीसह
रीसकलसुतबारेबारेकेवटकीजातिकछुवेदनपढाइहौं सब
परिवारमेरेयाहीलागिराजाजीहौंदीनवित्तहीनकैसेदूसरीगढाइ
हौं गौतमकीघरनीज्यौंतरनीतरैगीमेरीप्रभुसोंनिषादह्वैकेवाद
नबढाइहौं तुलसीकेईसरामरावरेसौंसांचीकहौंबिनापगधोए
नाथनाउनचढाइहौं ३० जिनकोपुनीतबारिसिरसिवहैंपुरा
रित्रिपथगामिनीजसुवेदकहैंगाइकै जिनकोजोगिंद्रमुनिवृंद
देवदेहधरिकरतबिबिधिजोगजपमनलाइकै तुलसीजिन
कीधूरिपरसिअहिल्यातरीगौतमसिधारेगृहगौनोसोलेवाइ
कै तेईपाइपाइकैचढाइनावधोएबिनुख्वैहौंनपठावनीकैह्वै
हौंनहँसाइकै ३१ प्रभुरुखपाइकैबुलाइबालकघरनिवंदि
कैचरनचहूंदिसिवैठेघेरिघेरि छोटोसोकठौताभरिआनिपा
नीगंगाजूकोधोइपाइपियतपुनीतबारिफेरिफेरि तुलसीसरा
हैंताकोभागसानुरागसुरबरषैंसुमनजयजयकहैंटेरिटेरि बि
बिबुधसनेहसानीबानीअसयानीसुनिहँसेराघोजानकीलखन

मनहेरिहेरि ३२ सवैया पुरतेंनिकसीरघुबीरबधूधरिधीर
दयेमगमेंडगद्वै झलकींभरिभालकनीजलकीपटसूखिगए
मधुराधरवै फिरिबूझतिहैचलनोबकितोपियपर्नकुटीक
रिहौकितह्वै तियकीलषिआतुरतापियकीअंषियांअति
चारुचलींजलच्वै ३३ जलकोगएलष्षनहैंलरिकापरि
षोपियछाहघरीकह्वैठाढे पोंछिपसेउबयारिकरौंअरु
पायपषारिहौंभूभुरिडाढे तुलसीरघुबीरप्रियाश्रमजानि।
कैबैठिबिलंबलौंकंटककाढे जानकीनाहकोनेहलष्योपु
लकीतनबारिबिलोचनबाढे ३४ ठाढेहैंनवद्रुमडारगहै
धनुकांधेधरेकरसायकलै बिकटीभृकुटीबडरीअंषियांअ
नमोलकपोलनकीछबिहै तुलसीअसीमूरतिआनुहिये
जडडारुधौंप्रानन्योछावरिकै श्रमसीकरसांवरिदेहलसै।
मानोरासिमहातमतारकमै ३५ घनाक्षरी
जलजनयनजलजाननजटाहैंसिरजोबनउमंगअंग।
उदितउदारहैं सांवरेगोरेकीबीचभामिनीसुदामिनीसीमुनि
पटधारेउरफूलनिकेहारहैं करनिसरासनसिलीमुषनिषंग
कटिअतिहीअनूपकाहूभूपकेकुमारहैं तुलसीबिलोकिकै
तिलोककेतिलकतीनिरहेनरनारिज्योंचितेरेचित्रसारहैं ३६
आगेसोहैंसांवरेकुंवरगोरेपाछेकाछेआछेमुनिबेषधरेलाजतअ
नंगहैं बानबिसिषासनबसनबनहीकेकटिकसेहैंबनाइ
नीकेराजतनिषंगहैं साथनिसिनाथमुषीपाथनाथनंदिनी।
सीतुलसीबिलोकेचितलाइलेतसंगहैं आनंदउमगमनजो
बनउमगतनरूपकेउमगतअंगअंगहैं ३७ सुंदरबदनस

रसीरुहसोहाएनैनमंजुलप्रसूनमाथेमुकुटजटनिके असनि
सरासनलसततसुचिसरकरतूनकटिमुनिपटलूटकपटनिके
नारिसुकुमारिसंगजाकेअंगउबटिकैविधिबिरचैबरूथबि
द्युच्छटनिके गोरेकोबरनदेखेसोनोनसलोनोलागै साँव
रेविलोकेगर्वघटतघटनिके ३८ बलकलबसनधनुबा
नपानितूनकटिरूपकेनिधानघनदामिनीबरनहैं तुलसी
सुतीयसंगसहजसोहायेअंगनवलकमलहूतेकोमलचर
नहैं औरसोवसंतऔररतिऔररतिपतिमूरतिबिलोकेत
नमनकेहरनहैं तापसबेषैबनाएपथिकपंथेसोहाएचले
लोकलोचननिसुफलकरनहैं ३९ सवैया बनिताबनी
स्यामलगोरकोबीचबिलोकहुरीसखीमोहिसीह्वै मगजोगन
कोमलक्योंचलिहैंसकुचातिमहीपदपंकजछ्वै तुलसीसुनि
ग्रामवधूविथकीपुलकीतनऔचलेलोचनच्वै सबभाँतिमनो
हरमोहनरूपअनूपहैंभूपकेबालह्वै ४० साँवरेगोरेसलोनेसु
भायमनोहरतातजिमैनलियोहै बालकमाननिषंगकसेसि
सोहैंजटामुनिबेषकियोहै संगलिएबिधुबैनीबधूरतिको
जेहिरंचकरूपदियोहै पायनतौपनहीनपयादेहिक्योंच
लिहैंसकुचातहियोहै ४१ रानीमैंजानीअयानीमहापवि
पाहनहूंतेकठोरहियोहै राजहुकाजअकाजनजान्योकह्यो
तियकोजेहिकानकियोहै ऐसीमनोहरमूरतिएबिछुरे
केसेप्रीतमलोगजियोहै आँखिनमेंसखिराखिबेजोगइन्हे
किमिकैबनबासदियोहै ४२ सीसजटाउरबाहुबिसाल
बिलोचनलालतिरीछीसीभौहैं तूनसरासनवानधरेतुल

सीवनमारगमेंसुठिसोहैं सादरबारहिंबारसुभायचितैतुम
ह्योंहमरोमनमोहैं पूंछतिग्रामबधूसियसोंकहोसांवरो
सोसषिरावरोकोहैं ४३ सुनिसुंदरवानिसुधारसमानि
सयानिहैजानकीजानिभली तिरछेकरिनैनदेसैनतिन्हैस
मुझाइकछूमुसुकाइचली तुलसीतेहिऔसरसोहैंसबैअव
लोकतिलोचनलाहुअली अनुरागतडागमेंभानुउदैबि
कसीमानोमंजुलकंजकली ४४ धरिधीरकहैंचलुदेषिय
जाइजहांसजनीरजनीरहिहै कहिहैंजगपोचनसोचकछू
फललोचनआपनतोलहिहैं सुषपाइहैंकानसुनेवतियां
कलआपुसमेंकछुपैकहिहैं तुलसीअतिप्रेमलगीपलकैं
पुलकीलषिरामहियमहिहैं ४५ पदकोमलस्यामलगोर
कलेबरराजतकोटिमनोजलजाए करवानसरासनसीस
जटासरसीरुहलोचनसोनसोहाए जिनदेषसखीसतभावहुतें
तुलसीतिनतोमनफेरिनपाए एहिमारगआजुकिसोरबधू
बिधुबैनिसमेतसुभायसिधाये ४६ मुषपंकजकंजबिलो
चनमंजुमनोजसरासनसीबनीभौंहैं कमनीयकलेवरको
मलस्यामलगौरकिसोरजटासिरसोहैं तुलसीकटितूनध
रेधनुबानअचानकदृष्टिपरीतिरछौंहैं केहिभांतिकहौं
सजनीतोहिसोंमृदुमूरतिद्वैनिवसीमनमोहैं ४७ प्रेम
सोपीछेतिरीछेप्रियाहिचितैचितुदैचललैचितचोरै स्या
मसरीरपसेउलसैहुलसैतुलसीछबिसोमनमोरै लोच
नलोलचलैभृकुटीकलकामकमाननसोतृनतोरै राज
तरामकुरंगकेसंगनिषंगकसेधनुसोसरजोरै ४८ सरा

ारिकचारुबनाइकसेकटिपानिसरासनसायकलै ब
नबेलतरामफिरैंमृगयातुलसीछबिसोबरनेकिमिकै
ओलोकिअलौकिकरूपमृगीमृगचौंकिचकैचितवैचि
तुदै नडगैनभगैजियजानिसिलीमुषपंचधरेरतिनायक
है ४९ बिंधकेबासीउदासीतपोव्रतधारीमहाबिनुनारि
दुषारे गौतुमतीयतरीतुलसीसोकथासुनिभेमुनिबृंदसु
षारे ह्वैहैंसिलासबचंदमुषीपरसेपदमंजुलकंजतिहा
रे कीन्हिभलीरघुनायकजूकरुनाकरिकाननकोपगधा
रे ५० इत्ययोध्याकांडसंपूर्णम् पंचवटीवरपर
नकुटीतरबैठेहैंरामसुभायसोहाए सोहैंप्रियाप्रियबंधु
लसेतुलसीसबअंगघनेछविछाए देषिमृगामृगनैनी
कहेप्रियबैनतेप्रीतमकेमनभाए हेमकुरंगकेसंगसरास
नसायकलैरघुनायकधाए ५१ इत्यारण्यकांडः जबअं
गदादिनकीमतिगतिमंदभईपवनकेपूतकोनकूदिवेको
बलुगो साहसीह्वैसैलपरसहसासिकिलिआइचितव
तचहुँओरऔरनिकोकलुगो तुलसीरसातलकोनिक
सिसलिलआयोकोलकलमल्योअहिकमठकोबलु
गो चारिहूंचरनकेचपेटचांपेचिपटिगोउचकेउचकिचा
रिअंगुलअचलुगो ५२ ४ इतिकिष्किंधाकांडःसमा
प्तः बासवबरुनविधिबनतेंसोहावनोदसाननकोका
ननबसंतकोसिंगारसो समयपुरानेपातपरतडरतबात
पालनलालतरतिमारकोबिहारसो देषेबरबापिकातडा
गबागकोबनावरागबसभोबिरागीपवनकुमारसो सी

यकीदसाविलोकिबिटपअसोकतरतुलसीबिलोकेबोसोति
लोकसोकसारसो ५३ मालीमेघमालबनपालविकराल
भटनीकेसवकालसींचेसुधासारनीरके मेघनादतेंदुला
रोप्रानतेंपिआरोबागअतिअनुरागजियजातुधानधीरके
तुलसीसोजानिसुनिसीयकोदरसपाइपैठोबाटिकाबजाइ
वलरघुवीरके विद्यमानदेषतदसाननकोकाननसोतहसनहस
कियोसाहसीसमीरके ५४ बसनबटोरिबोरिबोरितेलतमी
चरषोरिषोरिधाइआइबांधतलंगूरहैं तैसोकपिकौतुकी
डेरानढीलेगातकेकेलातकेअघातसहैजीमेंकहैकूरहै
बालकिलकारीकेकैतारीदैदैगारीदेतपाछेलागेबाजतनि
सानढोलतूरहैं बालधीबढनलागीठौरठौरदीन्हीआगी
बिंधकीदवारिकैथौंकोटिसतसूरहैं ५५ लाइलाइआ
गिभागेबालजालजहांतहांलघुह्वैनिबुकिगिरिमेरुतेंविसा
लभो कौतुकीकपीसकूदिकनककंगूराचढ्यौरावनभ
वनचढिठाढोतेहिकालभो तुलसीविराज्योव्योमबाल
धीपसारीभारीदषेहहरातभटकालसोकरालभो तेजको
निधानमानोकोटिकृसानभानुनषविकरालमुषतैसोरिसि
लालभो ५६ बालधीबिसालबिकरालज्वालजालमानौलं
क लीलिवेकोकालरसनापसारीहे कैथौंव्योमवीथिका
भरेहेंभूरिधूमकेतुबीररसबीरतरवारसीउघारीहै तुलसी
सुरेसचापकैथौंदामिनीकलापकैथौंचलीमेरुतेंकृसानुसरि
भारीहै देषैंजातुधानजातुधानीअकुलानीकहैंकाननउजा
र्योअबनगरप्रजारीहै ५७ जहांतहांबुबुकिविलोकिबु

बुकारीदेतजरतनिकेतधावोधावोलागीआगिरे कहांमात
तातभ्रातभगिनीभामिनीभाभीढोटाछोटोछोहराअभागेभोंडेभागि
रे हाथीछोरोघोराछोरोमहिषवृषभछोरोछेरीछोरोसोवे
सोजगावोजागिजागिरे तुलसीबिलोकिअकुलानीजातुधा
नीकहैंबारबारकह्योपियकपिसौंनलागिरे ५८ देषिज्वा
लजालहाहाकारदससंकंधसुनिकह्योधरोधरोधायेबीरबा
लवानहैं लियेंसूलसेलपासपरिघप्रचंडदंडभाजनसनीर
धीरधरेधनुवानहै तुलसीसमिधसौंजलंककुंडलषिजा
तुधानपुंगीफलजवतिलधानहैं स्रुवासोलंगूलबलमूल
प्रतिकूलहविस्वाहामहाहांकिहांकिहनेहनुमानहै ५९ गाज्यो
कपिगाजज्योंबिराज्योज्वालजालजुतभाजेवीरधीरअकुला
इउठ्योरावनो धावोधावोधरोसुनिधायजातुधानधारिबा
रिधाराउलदैजलदजौनसावनो लपटझपटझहरानेंहहरा
नेवातभहरानेभटपर्योप्रबलपरावनो ढकनिढकेलिपेलि
सचिवचलेलैठेलिनाथनचलैगोबलअनभयावनो ६०
बडोबिकरालबेषदेषिसुनिसिंहनादउठ्योमेघनादसबि
षादकहैरावनो वेगजितोमारुतप्रतापमार्त्तंडकोटिकाल
हूकरालताबडाईजितोबावनो तुलसीसयानेजातुधानेप
छितानेकहैंजाकोऐसोदूतसोसाहिबअबैआवनो काहे
कीकुशलरोषेरामबामदेवहूकीबिषमबलीसोंबादिबैरको
बढावनो ६१ पानीपानीपानीसबरानीअकुलानीकहैं
जातहैंपरानीगतजानीगजचालिहै बसनबिसारेमनिभूष
नसंभारतनआननसुषानेकहैंक्योंहोकोउपालिहै तुलसी

मंदोवैमीजे हाथधुनिमाथकहैकाहूकानकियोनमैंकेतोका।
ह्योकालिहै बापुरेबिभीषनपुकारिबारबारकह्योबानरबड़ी
बलाइघनेघरघालिहै ६२ कानननउजार्योतोउजार्यो।
नबिगार्योकछुबानरबिचारोबाँधिआन्योहटिहारसों नि
पटनिडरदेखिकाहूनलख्योबिसेषिदीन्ह्योनछुड़ाइकहिकु
लकेकुठारसों छोटेऔबड़ेरेमेरेपूतऊअनेरेसबसाँपनि।
सोखेलैंमेलैंगरेछुराधारसों तुलसीमंदोवैरोइरोइकैबिगो
वैआपुबारबारकह्योमैंपुकारिदाढीजारसों ६३ रानीअ।
कुलानीसबडाढतपरानीजाँहिंसकैंनबिलोकिबेषकेसरी
कुमारको मीजिमीजिहाथधुनिमाथदसमाथतियतुलसी।
तिलोनभयोबाहिरअगारको सबअसबावडाढैमैंनकाढैतैं
नकाढेजियकीपरीसंभारसहनभंडारको खीजतिमंदोवैस
बिषाददेखिमेघनादबयोलुनियतसबयाहीदाढीजारको
६४ रावनकीरानीजातुधानीबिलखानीकहैहाहाकोऊक
हैबीसबाहुदसमाथसों काहेमेघनादकाहेकाहेरेमहोदर।
तूधीरजनदेतलाइलेतक्योंनहाथसों काहेअतिकायका।
हेकाहेरेअकंपनअभागेतीयत्यागेभौंडेभागेजातसाथसों
तुलसीबढाइबादसालतबिसालबेरयाहीबलबालिसोंबि
रोधरघुनाथसों ६५ हाटबाटकोटओटअटनअगारपौ
रखोरिखोरिदौरिदौरिदीन्हीअतिआगिहै आरतपुकारतसं
भारतनकोऊकाहूब्याकुलजहाँसोतहाँलोकचलैभागिहै
बालधीफिरावैबारबारझहरावैझरैबूँदियासीलंकपघिला
इपागिपागिहै तुलसीबिलोकिअकुलानीजातुधानीकहै

चिक्ट्रेकेकपिसोंनिसाचरलागिहे ६६ लागिलागिआ
गिभागिभागिचलेजहांतहांधीयकोनमायबापपूतनसंभार
हीं छूटेबारबसनउघारेधूमधूंधअंधकहैंबारेबूढेबारिबारि
बारबारहीं हयहिंहिनातभागेजाातघहरातगजभारीभीरठे
लिपेलिरौंदैबौंदिउरहीं नामलैचिलातबिललातअकु
लातअतितातताततौंसियतकौंसियतजारहीं ६७ लपट
करालज्वालजालमालदहूंदिसिधूमअकुलानेपहिचानेकौ
नकाहिरे पानीकोललातबिललातजरेगातजातपरेपाइ
मालजातभ्रातत्तूंनिबाहिरे प्रियातूंपराहिनाथनाथतूंपरा
हिबापबापतूंपराहिपूतपूततूंपराहिरे तुलसीबिलोकिलो
कब्याकुलबेहालकहैंलेहिदससीसअबबीसचखुचाहिरे
६८ बीथिकाबजारप्रतिअटनिअगारप्रतिपवरिपगारप्र
तिबानरबिलोकिए अर्द्धउर्द्धबानरबिदिसिदिसिबानरहैमानो
रह्योहैभरिबानरतिलोकिए मूंदेआंषिहियमेंउघारेआंषि
आगेठाढोधाइजाइजहंतहंऔरकोऊकोकिए लेहुअब
लेहुतबकोऊनसिषावोमानोसोइसतराइजाइजाहिजाहि
रोकिए ६९ एककरैधौंजएककहैकाढौसौंजएकऔंजिपा
नीपीकैकहैबनतनआवनो एकपरेगाढेएककाढतहिंका
ढेएकदेखतहैंठाढेकहैंपावकभयावनो तुलसीकहतएक
नीकेहाथलाएकपिअजहूंनछाडैबालगालकोबजावनो
धावरेबुझावरेकिबावरेहिआवरेऔरेआगिलागीनबुझावै
सिंधुसावनो ७० कोपिदसकंधतबप्रलयपयोदबोलेराव
नजाइधाइआएजूथजोरिकै कह्योलंकपतिलंकबरत

बतावीबेगिवानरवहाइमारैमहावारिबोरिकै भलेनाथनाइमा
थचलेपाथप्रदनाथबरषैमुसलधारवारवारघोरिकै जीवनते
जागीआगी चपरिचौगुनीलागीतुलसीभभरिमेघभगेमुषमो
रिकै ७१ इहाँज्वालजरेजातकैआगलानिगरेगातसूषेसकु
चातसबकहतपुकारहैं जुगषटभानुदेषेप्रलयकृसानुदेषे
सेषमुषअनलबिलोकेवारवारहैं तुलसीसुन्योनकानस
लिलसर्पीसमानअतिअचरजकिएकेसरीकुमारहैं बारिद्व
चनसुनिधुनेसीससचिवन्हकहैदससीसईसबामत्ताविकारहैं
७२ पावकपवनपानीभानुहिमवानजमकाललोकपालमेरे
डरडाँवाडोलहैं साहिवमहेससदासंकितरमेसमोहिमहा
तपसाहसबिरंचिलिएमोलहैं तुलसीतिलोकआजदूजोन
विराजैराजबाजेबाजेराजनिकेबेटीबेटाओलहैं कोहैईसना
मकोभवामहोतमोढूतनमालवानरावरेकेबावरेसेबोलहैं ७३
भूमिभूमिपालव्यालपालकपतालनाकपाललोकपालजेतेसु
भटसमाजहैं कहैंमाल्यवानजातुधानपतिरावरेकोमनकूआका
जआनैऐसोकोनआजहैं रामकोहपावकसमीरसीयस्वास
कीसईसबामताविलोकुबानरकेव्याजहैं जारतपचारिफेरिफे
रिसोनिसंकलंकजहाँबांकोबीरतोसोसूरसिरताजहैं ७४ पा
नपकबानबिधिनानाकेसंधानोसीधोविविधविधानधानबरत
बषारहैं कनककिरीटकोटिपलंगपेटारेपीठकाढतकहारसब
जरेभारभारहीं प्रवलपावकबाढेजहँकाढेतहँडाढेभपटल
पटभरेभवनभंडारहीं तुलसीअगारनपगारनबजारबचोहा
थीहथसारजरेघोरेघोरसारहीं ७५ हाटबाटहाटकपघिल

चलोघीसोघनोकनककरहीलंकतलफनतायसों नागायक
वानजातुधानबलवानसबपागिपागिढेरिकीन्हीभलीभांति।
भायसों पाहुनेकृसानुपवमानसोपरोसोहनुमानसनमा
निकेजेंवाएचितचायसों तुलसीनिहारिअरिनारिदैदैगा
रिकहैंबावरेसुरनिबैरकीन्हेरामरायसों ७६ रावनसोराजरो
गबाढतबिराटउरदिनदिनबिकलसकलसुषरांकसो ना
नाउपचारकरिहारेसुरसिद्धमुनिहोतनबिसोकऔतपावेनम
नाकसो रामकीरजाइतेरसाइनीसमीरसूनुउतरिपयोधिपार
सोधिसरबांकसो जातुधानबुटपुटपाकजातरूपरतनजतन
जारिकियोहैमृगांकसो ७७ जारिबारिकेबिधूमबारिधिब
ताइलूमनाइमाथोपगनिभोठाढोकरजोरिके मातुकृपाकी
जैसहिदानिदीजैसुनिसीयदीन्हीहैअसीसचारुचूडामनिछो
रिके कहाकहौंतातदेषेजातज्यौंबिहातदिनबडीअवलंब
हीसोचलेतुमतोरिके तुलसीसनीरनैननेहसोसिथिलबेन।
बिकलबिलोकिकपिकहतनिहोरिके ७८ दिवसछसातजातजा
नबेनमातुधरुधीरअरिअंतकीअवधिरहीथोरिके बारिधि
बंधाइसेतुऐहैभानुकुलकेतसानुजकुसलकपिकटकबटो
रिके बचनबिनीतकहिसीताकोप्रबोधकरितुलसीत्रिकूटच
ढिकहतडफोरिके जैजैजानकीसदससीसकरिकेसरीकपीस
कूद्योबातजातबारिधिहलोरिके ७९ साहसीसमीरसूनुनी
रनिधिलंघिलषिलंकसिद्धपीठनिसिजागोहैमसानसो तुलसी
बिलोकिमहासाहसप्रसन्नभईदेवीसीयसारिषीदियोहैवरदा
नसोंबाटिकाउजारिअछधारिमारिजारिगढभानुकुलभानुको

प्रतापभानुभानुसो करनविसोकलोककोकनदकोककपि
कहैजामवंतआयोआयोहनुमानसो ८० गगननिहारिकि
लकारीभारीसुनिहनुमानपहिचानिभएसानंदसचेतहैं बू
डतजहाजबाच्यो पथिकसमाजमानोआजुजाएजानिसबअंक
मालदेतहैं जैजैजानकीसजैजैलषनकपीसकहिकूदैंका
पिकौतुकीनटतरेतरेतहैं अंगदमयंदनलनीलबलसीलम
हाबालधीफिराबेमुषनानागतिलेतहैं ८१ आयेहनुमान
प्रानहेतुअंकमालदेतलेतपगधूरिएकचुंबतलंगूरहैं एक
बूझैबारबारसीयसमाचारकहौपवनकुमारभोबिगतश्र
मसूलहैं एकभूषेजानिआगेआनिकंदमूलफलएकपूजे
बाहुबलमूलतोरिफूलहैं एककहैतुलसीसकलसिद्धिता
केजाकेकृपापाथनाथसीतानाथसानकूलहैं ८२ सीय
कोसनेहसीलकथातथालंककहैचलेजातचायसोसिराने
पथछनमें कह्योजुवराजबोलिबानरसमाजआजुषाहुफ
लसुनिपेलिपैठमधुबनमें मारेबागबानतेपुकारतदिवान
गेउजारेबागअंगदादिघाएघायतनमें कहैकपिराजक
रिआएकीसकाजमहाराजकीसपथमहामोदमेरेमनमें
८८३ नगरकुबेरकोसुमेरकीबराबरीबिरंचिबुद्धिकोवि
लासलंकनिर्मानभो ईसहिचढाएसीसबीसबाहुवीर
तहांरावनसोराजाराजतेजकोनिधानभो तुलसीतिलो
ककीसमृद्धिसौजसंपदासकेलिचाकिराषीरासिजागरज
हानभो तीसरेउपासबनबाससिंधुपाससोसमाजमहा
राजजीकोएकदिनदानभो ८४ इतिसुंदरकाण्डसंपूर्ण

बडेबिकरालभालुबानरबिसालबडेतुलसीबडेपहारलैपयोधितो पिहैं प्रबलप्रचंडबलबंडबाहुदंडषंडिमंडिमेदनीकेमंडलीकली कलापिहैं लंकदाहदेषेनउछाहरह्योकाहूकोकहतसबसाचि वपुकारियाबरोपिहे बांचिहैंनपाछेतिपुरारिहूमुरारिहूकेकोहै रनरारिकोजोकोपलेसकोपिहै ८५ त्रिजटाकहतिबा रबारतुलसीस्वरीसोराघोबानएकहीसमुद्रसातोसोषिहै सकुलसंघारिजातुधानधारिजंबुकादिजोगिनीजमातिका लिकाकलापतोषिहैं राजदैनिवाजिबोबजाइकैबिभीषनके बजैगोव्योमबाजनेबिबुधप्रेमपोषिहैं कौनदसकंधको नमेघनादबापुरोकोकुंभकर्णकीटजबरामरनरोषिहै ८६ बिनयसनेहसोकहतिसियत्रिजटासोपाएकछुसु माचारआरजुसुवनके पायेजूबंधायेसेतुउतरेभा नुकुलकेतुआयेदेषिदेषिदूतदारुनदुअनके बदनमली नबलहीनदीनदेषिमानोमिटैघटेतमीचरतिमिरभुवनके लोकपतिसोककोकमूंदेकपिकोकनदडहदैरहेहैंरघु आदितउवनके ८७ झूलना सुभुजमारीचषरत्रिसि रदूषनबालीबधतजेहिदूसरोसरनसांध्यो आनिपरभाम बिधिबामतेहिरामसोसकतसंग्रामदसकंधकांध्यो समु झितुलसीसकपिकपिकर्मघरघरघेरुबिकलसुनिसक लपाथोधिबांध्यो बसतगढबंकलंकेसनायकअछतलं कनहिषातकोउभातरांध्यो ८८ सवैया बिश्वजयीभृ गुनायकसेबिनुहाथभएहनिहाथहजारी बातुलमातुल कीनसुनीसिषकातुलसीकपिलंकनजारी अजहूंतेभलोर

घुनाथमिलोफिरिबूझिहैकोगजकौनगजारी कीर्तिबडीक रतूतिबडीजनबातबडीसोबडोइबजारी ८९ जबपाहनभ बनबाहनसेउतरेबनराजेजैरामरढे तुलसीलिएसैलसिला सबसोहतसागरज्यौंबलबारिबढे करिकोपककैरघुबीर कीआयसुकौतुकहींगढकूदिचढे चतुरंगचमूपलमेंदलिकै रनरावनराढकोहाडगढे ९० घनाक्षरी बिपुलबिसालबि करालकपिभालुमानौकालबहुबेषधरेधाएकिएकरषा लिए सिलासैलतोरिताल औतमालतोरितोपैंतोयनिधिसुरकोस माजहरषा डगेदिगकुंजरकमठकोलकलमलेडोलैधराधरधा रिधराधरधरषा तुलसीतमकिचलैंराघौकीसपथकरैकोक रैअटककपिकटकअमरषा ९१ आयेशुकसारनबोला। एतेकहनलागेपुलकिसरीरसेनाकरतफहमहीं महाबली। बानरबिसालभालुकालसेकरालहैंरहेकहांसमाहिगेकहांम ही। हस्योदसकंधरघुनाथकोप्रतापसुनितुलसीदुरावैमुषम् षतसहमहीं रामकेबिरोधबुरोबिधिहरिहरहूकोसबको भलोहैराजारामकेरहमहीं ९२ आयोआयोआयोसोइबान रबहोरिभयोसोरचहूंओरलंकआयेजुबराजके एककाढे सौंजएकधौंजकरैकहाह्वैहैपोचभईमहासोचसुभटसमाज के गाज्योकपिराजरघुराजकीसपथकरिमूंदेकानजातुधान मानोगाजेगाजके सहमिसुषातबातजातकीसुरतिकरिलवा ज्यौंलुकाततुलसीझपेटेबाजके ९४ दूषनबिराधषरत्रिसिरा कबंधबधेतालऊकरालबेधेकौतुकहैकालिको एकहींबि सिषबसभएबीरबांकुरेसोतोहूहैबिदितबलमहाबलीबालि

को तुलसीकहतहितमानतननेकुसंकमेरोकहाजैहैफल
पैहैतूकुचालिको बीरकरिकेसरीकुठारपानिमानिहारितेरी
कहाचलीबूटैतोसोगनैघालिके ९५ सवैया तोसोकहौंद
स्कंधररेरघुनाथबिरोधनकीजिएबौरे बालिबलीषरदूषन
औरअनेकगिरेजेतेभीतिमेंदौरे ऐसियहालभईतोहिको
नतोलेमिलुसीयचहैसुषजौंरे रामकेरोषनराषिसकैंतुलसी
बिधिश्रीपतिसंकरसौरे ९६ तूंरजनीचरनाथमहारघुनाथ
केसेवककोजनहौंहौं बलवानहैस्वानगलीअपनीतोहि
लाजनगालवजावतसोहौं बीसभुजादससीसहरौंनडरौं
प्रभुआयसुभंगतेजोहौं षेतमेंकेहरिज्यौंगजराजदलौंदल
बालिकोबालकतोहौं ९७ कोसलराजकेकाजहौंआजुत्रि
कूटउपारिलेबारिधिबौरौं महाभुजदंडद्वैअंडकटाहचपेट
केचोटचटाकदैफोरौं आयसुभंगतेजौनडरौंसबमींजि
सभासदश्रोणितषोरौं बालिकोबालकतौतुलसीदसहूं
मुषकेरनमेंरदतोरौं ९८ अतिकोपसोरोप्योहैपाउसभास
बलंकससंकितसोरमचा तमकेघननादसेबीरप्रचारिकै
हारिनिसाचरसैनपचा नटरैपगमेरुहितेगरुभोसोमनोम
हिसंगबिरंचिरचा तुलसीसबस्त्ररसराहतहैंजगमेंबलसालि
हैबालिबचा ९९ घनाक्षरी रोप्योपाउपैजकैबिचारिरघुबी
रबललागेभटसिमिटिननेकुटसकतुहै तजिधीरधरनीधरनि
धरधसकतधराधरधीरभारसंहिनसकतुहै महाबलीबालि
कोदवतदलकतभूमितुलसीउछलिसिंधुमेरुमसकतुहै क
मठकठिनपीठघंटापरोमंदरकोसोईआयोकामपैकरेजोक

सकतुहे १०० मूलना कनकगिरिशृंगचढिदेषिमर्कटकट कबदतिमंदोदरीपरमभीता सहसभुजमत्तगजराजनरकेसरी परसुधरगर्बजेहिदेषिवीता दासतुलसीसमरसबलकौसल। धनीष्यालहीबालिबलिसालिजीता रेकंतत्तनदंतगहिसर नश्रीरामकहिअजहुंएहिभांतिलैसौंपुसीता १०१ रैनी चमारीचविचलाइहतिताडिकाभंजिसिवचापसुषसबहि। दीन्हो सहसदसचारिषलसहितषरदूषनहिपठैजमधाम तैतउनचीन्हो मैंजोकहौंकंतसुनुमंतभगवंतसोबिमुषह्वै बालिफलकौनलीन्हो बीसभुजसीसदसषीसगयेतबहि जबईसकेईससोबैरकीन्हो १०२ बालिदलिकालिज। लजानपाषानकियेकंतभगवंततैतवनचीन्हे बिपुलविकरा लभटभालुकपिकालसेसंगतरुतुंगगिरिशृंगलीन्हे आइगे कौसलाधीसतुलसीसजेहिछत्रमसिमौलिदसदूरिकीन्हे ई सबकसीसजनिषीसकरुईससुनुअजहुकुलकुसलबैदेहिदीन्हे १०३ जाकेसेनसमूहकपिकौनगनेअर्बुदैमहाबलिबीरह नुमानजानी भूलिहैंदसदिसासीसपुनिडोलिहैंकोपिरघुनाथज बवानतानी बालिहूंगर्बजियमाहऐसीकियोमारिदहपटकि योजमकीघानी कहतिमंदोदरीसुनहिरावनमतोवेगिलैदेहि वैदेहिरानी १०४ गहनउज्जारिपुरजारिसुतमारितवकुस लगौकीसवरबैरिजाको दूसरोदूतपनरोपिकोप्योसभाषर्ब कियोसर्बकोगर्बथाको दासतुलसीसभयवदति मयनंदिनीमंदमतिकंतसुनुमंतम्हांको तौलौंमिलुवेगिन। हिजोलौंरनरोषभयोदासरथिबीरबिरुदैतबांको १०५ घ।

नाक्षरी काननउजारिअक्षमारिधारिधूरिकीन्हीनगरप्रजारयौ सोविलोक्यौबलकीसको तुम्हैविद्यमानजातुधानमंडलीमेंक पिकोपिरोप्यौपाउसोप्रभाउतुलसीसको कंतसुनुमंतकुलअं तकिऐअंतहानिहातोकीजैहिएतेभरोसोभुजबीसको तौलौंमि लुवेगिजोलौंचाँपनचढायोरामरोषिवानकाढ्योनदलैआद ससीसको १०६ पवनकोपूतदेख्योदूतबीरबाँकुरोजोबंकग ढलंकसोढकाढकेलिढाहिगो बालिबलसालिकोसोका लिदापदलिकोपिरोप्यौपाउचपरिचम्बूकोचाउचाहिगो सोइ रघुनाथकपिसाथपाथनाथबाँधिआयोनांथभागेतेषिरिरषे हषाहिगो तुलसीगरबतजिमिलिवेकोसाजसजिदेहिसियन तोपियपायमालजाहिगो १०७ उदधिअपाउउतरतहूँनला गीवारकेसरीकुमारसोअदंडकैसोडाँडिगो बाटिकाउजारिअ छरछकनिमारिभटभारीभारीरावरेकोचाउरसोकाँडिगो तु लसीतिहारेविद्यमानजुवराजआजुकोपिपाँउरोप्योसबछूँछे कैकैछाँडिगो कहेकीनलाजपियअजहूँनआवेबाजसहित समाजगढरांडकैसोभाँडिगो १०८ जाकेरोषदुसहत्रिदोष दाहदूरिकीन्हेपैअतनछत्रीषोजषोजतषलकमैं महि षमतीकोनाथसाहसीसहसबाहुसमरसमर्थ्यनाथहेरियेह लकमैं सहितसमाजमहाराजसोजहाजराजबूडिगयोजाकेबल बारिधिछलकमें टुटतपिनाककेमनाकबामरामसेतेनाक बिनुभयेभृगुनायकपलकमें १०९ कीन्हीछोनीछत्री बिनुछोनिपछपनहारकठिनकुठारपानिबीरबानजानिकै प रमकृपालजोनृपालललोकपालनपैजबधनुहाईह्वैहैमनअनु

मानिकै नाकमैपिनाकमिसिवामनाविल्लेकिरामरोकेयोपर
लोकलोकभारिभ्रममानिकै नाइदसमाथमहिजोरिबीसहाथपिय
मिलियेपैनाथरघुनाथपहिचानिकै ११० कह्योमतमातुल
विभीषनद्धबारबारअंचलपसारिपियपायलैलैहोंपरी विदि
तविदेहपुरनाथरघुनाथगतिसमयसयानीकीन्हीजैसीआइ
गौंपरी बायसबिराधषरदूषनकबंधबा
लिबैररघुबीरकेनपूरीकाहूकौंपरी कंजवीसलोचनबिलो
किएकुमंतफलष्याललंकलाईकपिरांडकीसीनोंपरी १११
सबैया रामसोसंमकिएनितहैहितकोमलकाजनकोजि
यठाढे आपनिसूझिकहौंपियबूझियेजूझिवेजोगनठाहरु
नाढे नाथसुनीभृगुनाथकथाबलिबालिगएचलिबातकेसा
ढे भाइविभीषनजाइमिल्योप्रभुआइपरेसुनिसायरका
ढे ११२ पालिबेकोकपिभालचमूजमकालकरालहुकौ
पहरीहै लंकसेबंकमहागढदुर्गमढाहिवेदाहिवेकोकह
रीहै तीतरतोमतमीचरसैनसमीरकोसूनबडोबहरीहै
नाथभलोरघुनाथमिलोरजनीचरसैनहिएहहरीहै ११३
घनाक्षरी रोषेरनरावनवोलाएवीरबानइतजानतजेरीतिस
बसंयुगसमाजकी चलीचतुरंगचमूचपरिकैनिसानसेना
सराहनजोगरातिचरराजकी तुलसीबिलोकिकपिभालु
किलकतललकतलषिज्योंकंगालपातरीसुनाजकी राम
रुषनिरषिहरष्योहियहनुमानमानोषेलवारखोलीसीस
ताजवाजकी ११४ साजिकैसनाहगजगाहसउछाहदल

महाबलीधाएबीरजातुधानधीरके इहांभालुबंदरबिसालमेरुमंदर
सेलिएसैलसालतोरिनीरनिधितीरके तुलसीतमकितकिभिरेभारीयु
द्धक्रुद्धसेनपसराहेनिजनिजभटभीरके रुंडनकेझुंडझूमिझूमि
रुकरिसेनाचैसमरसुमारसूरमोरेरघुबीरके ११५ सवैया ती
षेतुरंगकुरंगसुरंगनिसाजिचढेछूटिछैलछबीले भारीगुमान
जिन्हैमनमेकबहूनभएरनमेतनढीले तुलसीलषिकेहरिकेह
रिकेरुपटेपटकेसस्तरसलीले भूमिपरेभटघूमिकराहतहांकि
हनेहनुमानहठीले ११६ सरसंयोयलसाजिसुवाजिसुसेलध
रेवगमेलचलेहैं भारीभुजाभरिभारीसरीरबलीबिजयीसबभां
तिभलेहैं तुलसीजिन्हैधाइधुकेधरनीधरनीधरधोरथकानह
लेहैं तेरनतिष्षनलष्षनलाषनदानिज्योंदारिददाबिदलेहैं
११७ गहिमंदरबंदरभालुचलेसोमनोउनएघनसावनके तु
लसीउतझुंडप्रचंडझुकेरुपटेभटजेसुरदावनके बिरुझेबिरुदै
तजेषेतअरेनटरेहठिवैरबढाबनके रनमारमचीउपरीउपराभले
बीररघुप्पतिरावनके ११८ सरतोमरसेलसमूहपवारतमार
तबीरनिसाचरके इततेतरुतालतमालचलेषरषंडप्रचंडमहीधरके
तुलसीकरिकेहरिनादभिरेभटषग्गषगेषपुआषरके नषदंतन
सोभुजदंडबिहंडतमुंडसोमुंडपरेझरके ११९ रजनीचरमत्तगयं
दघटाबिघटैमृगराजकेसाजलरै रुपटैभटकोटिमहीपटकैगरजै
रघुबीरकीसौंहकरै तुलसीउतहांकदसाननदेतअचेतभेबीरको
धीरधरै बिरुझोरनमारुतकोबिरुदैतजोकालहुकालसोबूझिप
रै १२० जेरजनीचरबीरबिसालकरालबिलोकतकालनषाये
तेरनरोरकपीसकिसोरबडेबरजोरपरेफगपाये लूमलपेटिअ

तुथानके मारिकैपछारिकैउपारिभुजदंडचंडषंडषंडडारेतेबि
दारेहनुमानके कूदतकबंधकेकदंबबंबसीकरतधावतदेषावत
हैलाघौराघौवानके तुलसीमहेसविधिलोकपालदेवगनदेषत
वेवानचढेकौतुकमसानके १३२ लोथिनसोलोहूकेप्रवाहच
लेजहाँतहाँमानहुँगिरिन्हगेरुझरनाझरतहै श्रोनितसरितघोर
कुंजरकरारेभारेकूलतेसमूलवाजिविटपपरतहै सुभटसरीर
नीरचारीभारीभारीतहँसूरनउछाहकूरकादरडरतहैं
फेकरिफेकरिफेरुफारिफारिपेटषातकाककंकबालककोलाह
लकरतहैं १३३ ओझरीयझोरीकाँधेआँतनकीसेल्हीबाँधेमुं
डकेकमंडलषपरकियेकोरिकै जोगिनीजमातिजोरिरुंडा
बनीतापससेनीरतीरबैठीसोसमरषोरिकै
श्रोणितसोसानिसानिगूदाषातसतुआसेएक
प्रेतपियतवहोरिघोरिघोरिकै तुलसीवेतालभूतसाथलियेभू
तनाथहेरिहेरिहंसतहैंहाथहाथजोरिकै १३४ सवैया रामस
रासनतेचलेतीररहेनसरीरहड़ावरिफूटी रावनधीरनपीरगनी
लषिलैकरषप्परजोगिनिजूटी श्रोणितछीटछटानिछुटीतुल
सीप्रभुसोहैमहाछविछूटी मानोमरक्कतसैलविसालमेंफैलि
चलीबरवीरबहूटी १३५ घनाक्षरी मानीमेघनादसोप्रचा
रिभिरेभारीभटआपनेआपनेपुरुषारथनढीलकी घायललष
नलालसुनिबिलषानेरामभईआससिथिलजगन्निवासढील
की भाईकोनमोहछोहसीयकोनतुलसीसकहैमैंबिभीषनकी
कछुनसवीलकी लाजबाँहबोलकीनेवाजेकीसँभारसारसाहेव
नराम्रसेवलाइलेउसीलकी १३६ सवैया काननवासदसान

नसोरिपुआननश्रीसतिजीतिलियोहै वालिमहाबलसालि
दल्योकपिपालिविभीषनभूपकियोहै तीयहरीरनबंधुपस्योपै
भस्योसरनागतसोचहियोहै वाँहपगारउदारकहाँरघु
बीरसोवीरवियोहै १३७ लीन्हउषारिपहारविसारचल्योतेहि
कालबिलंबनलायो मारुतनंदनमारुतकोमनकोषगराजको
वेगलजायो तीषेतुरातुलसीकहतोपैहिएउपमाकोसमाउनआ
यो मानोप्रतक्षपरब्बतकीनभलीकलसीकपियोंधुकिधायो १३८
घनाक्षरी चल्योहनुमानसुनिजातुधानकालनेमिपठयोसोमु
निभयोपायोफलछलिकै सहसाउषारोहैपहारबहुजोजनको
रषवारेमारेभारेभूरिभटदलिकै वेगबलसाहससराहतकृपा
लराम भरतकीकुसलअचलल्यायोचलिकै हाथहरिनाथके
विकानेरघुनाथजनुसीलसिंधुतुलसीसभलोमानोभलिकै
१३९ बायदियोकाननभोआननसुभाननसोबैरीभोदसानन
सोतीयकोहरनभो घोररातिहेरित्रिपुरारिविधिहारेहियघाय
ललषनबीरबानरबरनभो बालिबलसालिदलिपालिकपि
राजकेविभीषननेवाजिसेतसागरतरनभो ऐसेसोकमैतिलो
ककैविसोकपलहीमेंसबहीकेतुलसीकेसाहेबसरनभो १४०
सवैया कुंभकरन्नहन्योरनरामदल्योदसकंधरकंधरतोरे
पूषनवंसविभूषनपूषनतेजप्रतापगरेअरिओरे देवनिसान
बजावतगावतसावतगोमनभावतभोरे नाचतबानरभालुस
वैतुलसीकहिहारेहहाभैयहोरे १४१ घनाक्षरी मारेरन
रातिचररावनसकुलदलअनुकूलदेवमुनिफूलबरषतुहैं नाग
नरकिन्नरविरंचिहरिहरहेरिपुलकसरीरहियहेतुहरषतुहैं

वामओरजानकीकृपानिधानकेबिराजैदेषतविषादमिटैमोदर
सरसतुहै आयसुभोलोकनिसिधारेलोकपालसबतुलसी
निहालकैकैदियेसरषतुहै १४२ इतिश्रीलंकाकांडसंपूर्ण
शुभमस्तु ६ वालिसेबीरबिदारिसुकंठथप्योहरषेसुरबा
जनबाजे पलमेदल्योदासरथीदसकंधरलंकविभीषनरा
जबिराजे रामसुभाउसुनेतुलसीहुलसेअलसीहमसेगल
गाजे कायरकूरकपूतनकीहदतेगरीबनेवाजनेवाजे १४३
बेदपढैबिधिसंभुसभीतपुजावनरावनसोनितआवै दानवदेव
दयावनेदीनदुषीदिनदूरिहितेसिरनावैं ऐसेउभागभगेदसभालते
जोप्रभुताकबिकोबिदगाव रामसवामभयेतेहिवामहिवामस
बैसुषसंपतिलावैं १४४ वेदविरुद्धमहीमुनिसाधुससोककि
योसुरलोकउजारेयो औरकहाकहौंतीयहरीतबहूंकरुनाक
रिकोपनेवारयो सेवकछोहतेछांडीछमातुलसीलष्योरामसु
भाउतिहारयो तौलौंनदापदल्योदसकंधरजौलौंविभीषनला
तनमारयो १४५ सोकसमुद्रनिमज्जतकाढिकपीसकियोज
गजानतजैसोन नीचनिसाचरबैरीकोबंधुबिभीषनकीन्हपुरं
दरकैसो नामलियेअपनाइलियोतुलसीसोकहैजगकौनअ
नैसो आरतआरतिभंजनरामगरीबनेवाजनदूसरऐसो १४६
मीतपुनीतकिएकपिभालुकोपालेजोकाहूनबालतनूजो सज्ज
नसीवविभीषनभोअजहूंबिलसैबरबंधुबधूजो कोसलपाल
बिनातुलसीसरनागतपालकृपालनदूजो क्रूरकुजातिकपूतअ
घीसबकीसुधरैजोकरैनरपूजो १४७ तीयसिरोमनिसीयतजी
जेहिपावककीकलुषाईदहीहै धर्मधुरंधरबंधुतज्योपुरलोग

नकोविधिवोलिकहीहै कीसनिसाचरकीकरनीनमुनीनवि
लोकीनचित्तरहीहै रामसदासरनागतकीअनखौंहीअनैसीसु
भायसहीहै १४८ अपराधअगाधपरेजनतेअपनेउरआनतना
हिनजू गनिकागजगीधअजामिलकेगनिपातकपुंजसेराहिनजू
लियेवारकनामसोधामदियोजेहिधाममहामुनिजाहिनजू तु
लसीभजुदीनदयालहिरेरघुनाथअनाथहिदाहिनजू १४९ प्र
भुसत्यकरीप्रहलादगिराप्रगटेनरकेहरिखंभमहा रुषराजग्र
स्योगजराजकृपाततकालबिलंवकियेनतहां सुरसाषीदैराषी
हैपंडुवधूपटलूटतकोटिकभूपजहां तुलसीभजुसोचविमोच
नकोजनकोपनरामनराख्योकहां १५० नरनारिउघारिउघारि
सभामेंहहोनदियेपटसोचहरयोमनको प्रहलादबिषादनेवार
नवारनतारनमीतअकारनको जोकहावतदीनदयालसही
तोहिभारसदाअपनेपनको तुलसीतजिआनभरोसभजेभग
वानभलोकरिहैंजनको १५१ रिषिनारिउधारिकियोसठकेव
टमीतपुनीतसुकीर्त्तिलही निजलोकदियोसवरीषगकोकपि
थापिसोमालुमहैसवही दससीसबिरोधसभीतबिभीषनभूप
कियोजगलीकरही करुनानिधिकोभजुरेतुलसीरघुनाथअ
नाथकेनाथसही १५२ कौसिकविप्रवधूमिथिलाधिपकेस
बसोचदलेपलमाहे वालिदसाननबंधुकथासुनिसत्रुसुसा
हिबसीलसराहें ऐसीअनूपकहैतुलसीरघुनायककीअगुनी
गुनगाहैं आरतदीनअनाथनकोरघुनाथकरैनिजहाथनछाहैं
१५३ तेरबेसाहेबेसाहतऔरनिऔरवेसाहिकेबेचनहारे व्या
मरसातलभूमिभरेनृपकूरकुसाहिबसेतिहुंधारे तुलसीतेहिसे

वनकौनमरेरंजनेलघुकोकरेमेरनेभारे स्वामितुसीलसमर्थसु जानसोनोसोतुहीदसरत्थदुलारे १५४ घनाक्षरी जातुधानभा लुकपिकेवटविहंगजोजोपालेनाथसद्यसोभयोसोकामकाज को आरतअनाथदीनमलिनसरनआयेराषेसनमानिसोसुभा उमहाराजको नामतुलसीपैभोडेभागतेकहायोदासकियेअंगी कारऐसेबडेदगाबाजको साहेबसमर्थदसरत्थकेदयालदेवदू सरोनतोसोतुहीआपनेकीलाजको १५५ महाबलीबालिदलि कायरसुकंठकपिराजकिएमहाराजहोनकाहूकामको आतघात पातकीनिसाचरसरनआयेकिएअंगीकारनाथएतेबडेवामको रायदसरत्थकेसमर्थनेरेनामलियेतुलसीसेकूरकोकहतजगरा मको आपनेनेवाजेकीतोलाजमहाराजकोसुभाउसमुझतमनमु दितगुलामको १५६ रूपसीलसिंधुगुनसिंधुबंधुदीनकोदया निधानजानमनिवीरबाहुबोलको श्राधकियोगीधकोसराहेफ लसबरीकेसिलासापसमननिबाह्योनेहकोलको तुलसीउरा उहोनरामकोसुभाउसुनिकोनबलिजाउनविकाइविनुमोलको ऐसेहुसुसाहिवसेजाकोअनुरागनसोवडोईअभागोभागभा गेलोभलोलको १५७ सूरसिरताजमहाराजनकेमहाराजजा कोनामलेतहीसुषेतहोतऊसरो साहिवकहांजहानजानकीसलोसु जानसुमिरेकृपालकेमरालहोतखूसरो केवटपषानजातुधानक पिभालुतारेअपनायोतुलसीसोधींगधमधूसरो बोलकोअटल वांहकोपगारदीनबंधुदूबरेकोदानिकोदयानिधानदूसरो १५८ कीवेकोविसोकलोकलोकपालहूतेसबकहूकोउभयोचरवाहो कपिभालुको पविकोपहारकियोख्यालहीकृपालरामवापुरोविभी

बनघरोधाहोतबालको नामबोटलेतहीनिषोटहोतषोटेषलचो
टविनुमोटपाइभयोननिहालकोतुलसीकीबारबलिढीलहोतसी
लसिंधुविगरीसुधारबेकोदूसरोदयालको १५९ नामलियेपूतको
पुनीतकियेपातकीसुआरतिनेवारीप्रभुपाहिकहेपीलकी छलन
कीछोंडीसीनिगोडीछोटी जातिपांतिकीन्हीलीनआपमेभामिनीभो
डीभीलकी तुलसीओतारबोबिसारबोनअंतमोहूनीकेहैप्रतीतिरा
वरेसुभावसीलकी देवतौदयानिकेतदेतदादिदीननकीमेरीबार
मेरेहीअभागनाथढीलकी १६० आगेपरेपाहनक्रपाकिरातको
लनिकपीसनिसिचरअपनाएनाएमाथजू सांचीसेवकाईहनुमा
नकीसुजानरायरिनियाकहायोहैविकानेताकेहाथजू तुलसीसे
षोटेषरेहोतओटनामहीकीमहगीमाटीमगहूकीमृगमदसाथजू
बातचलेबातकोनमानिवोविलगवलिकाकीसेवारीझिकेनेवाजेर
घुनाथजू १६१ कौसिककीचलतियषानकीपरसपाइदूटतध
नुषवनिगईहैजनककी कोलषलसवरीविहंगभालुरातिचररति
नकेलालचिनआपतिमनककी कोटिकलाकुसलहपालनतपाल
वातहूंकितेकतनतुलसीतनककी रायदसरत्थकेसमर्थराम
राजमनितेरेहेरेलोपैलिपिविधिहूंगनककी १६२ सिलासापपा
पगुहगीधकोमिलापसेवरीकेवापआपचलिगएहौसोसुनीमैं से
वकसराहेकपिनायकविभीषनकोभरतसभासादरसनेहसुरधुनी
मैं आलसीअभागीअघीआरतअनाथपालसाहेवसमर्थएकनी
केमनगुनीमै दोषदुषदारिददलैयादीनबंधुरामतुलसीनदूसरोद
यानिधानदुनीमै १६३ मीतवालिबंधुपूतदूतदसकंधबंधुसचि
वसराधसाधसेवरीजटाइको लंकजरीजोहैजियसोचसोविभीष

नकोकहोऐसेसाहेबकीसेवानषटाइको बडेएकएकतेअने
कलोकलोकनाथअपनेअपनेकीतोकहैगोयटाइको साँकरे
कोसेइयोसराहवेसुमिरवेकोरामसोनसाहेबनकुमतिकटाइको
१६४ भूमिपालब्यालपाललोकपालनाकपालकारनकृपाल
मैसबैकेजीकीथाहली कादरकोआदरकाहूकेनाहीदेषियत
सबनसोहातहैसेवासुजानटाहली तुलसीसुभायकहैनहीक
छुपक्षपातकौनेईसकिएकीसभालुवासमाहली रामहीकेद्वारे
पैबुलाइसनमानियतमोसेदीनदूबरेकपूतकूरकाहली १६५ सेवा
अनुरूपफलदेतभूपज्यौंविहीनेगुनपथिकपियासेजातपथके लेषे
जोषेचोषेचित्ततुलसीस्वारथहितनीकेदेषेदेवतादेवैयागुनगथके
गीधमानोगुरुकपिभालुमानोमीतकेपुनीतगीतसाकेसबसाहेब
समत्थके औरभूपपरखिसुलाषितौलितोइलेतलसमकेषसम
तुहीएकदसरत्थके १६६ रीतिमहाराजकीनिवाजिएजोमाँगनोसो
दोषदुषदारिददरिद्रकैकैछोडिये नामजाकोकामतरुदेतफल
चारिताहितुलसीविहाइकेबबूररेंडगोडिये जाचैकोनरेसदेसदे
सकोकलेसकरैदैहैंतोप्रसन्नह्वैबडीबडाइबोडिये कृपापाथना
थलोकनाथनाथसीतानाथतजिरघुनाथहाथऔरकाहिओडिये
१६७ सवैया जाकेविलोकेतेलोकपहोतविसोकलहैसुरलोक
सुठौरहि सोकमलातजिचंचलताअरुकोटिकलारिझवेसिरमौ
रहि ताकोकहाइकहैतुलसीतूलजाहिनमाँगतकूकुरकौरहि
जानकीजीवनकोजनह्वैजरिजाउसोजीहजोजाचतऔरहि १६८
जडपंचमिलेजेहिदेहकरीकरनीदेषुधौंधरनीधरकी जनकीकहु
क्यौंकरिहैनसंभारजोसारकरैसचराचरकी तुलसीकहुरामसमा
नकोआनहैसेवकिजासुरमाघरकी जगमेगतिजाहिजगप्पतिकी

परवाहिसोताहिकहानरकी १६९ जगजाचियकोउनजाचिय
जोंजियजांचियजानकिजानहिरे जेहिजांचतजांकताजरिजाइ
जोजोरतजोरजहानहिरे गतिदेषुबिचारिबिभीषनकीअरुआ
निहिएहनुमानहिरे तुलसीभजुदारिददोषदवानलसंकटको
टिकृपानहिरे १७० सुनुकानदिएनितनेमलिएरघुनाथहिके
गुनगाथहिरे सुषमंदिरसुंदररूपसदाउरआनिधरेधनुभाथ
हिरे रसना निसिबासरसादरसोतुलसीजपुजानकीनाथहिरे क
रुसंगसुसीलसुसंतनसोतजिकूरकुपंथकुसाथहिरे १७१ सुन
दारअगारसषापरिवारबिलोकुमहाकुसमाजहिरे सबकीमम
तातजिकैसमतासजिसंतसभानबिराजहिरे नरदेहकहाकरि
देषुबिचारगँवारबिगारनकाजहिरे जनिडोलहिलोलुपकूकर
ज्यौंतुलसीभजुकोसलराजहि १७२ बिषयापरनारिनिसात
रुनाइसोपाइपर्यौअनुरागहिरे जमकेपहरुदुषरोगबियोग
बिलोकतहूँनबिरागहिरे ममतावसतेसबभूलिगयोभयोभो
रमहाभयभागहिरे जरगाईदसारबिकालउयोअजहूँजडजी
वनजागहिरे १७३ जनम्यौजेहिजोनिअनेकक्रियासुषलागि
करीनपरेबरनी जननीजनकादिहितूभयेभूरिबहारिभईउर
कीजरनी तुलसीअबरामकोदासकहाइहिएधरुचातककीध
रनी करिहंसकोबिषबउसबनेनजिधौंबकबायसकीकरनी
१७४ भलिभारतभूमिभलेकुलजन्मसमाजसरीरभलोलहिकै
ममताकरषातजिकैबरषाहिमभारुतघामसदासहिकै जोभजे
भगवानसयानसोइतुलसीहठचातकज्यौंगहिकै ननोऔरसबै
बिषबीजबयेहरहाटककामधुकानहिकै १७५ सोसुकृतीसु

चिमंतसुसंतसुजानसुसीलसिरोमनिस्वै सुरतीरथतासुमनावतआवतपावनहोतहैताननछै गुनगेहसनेहकोभाजनसोसबहीसौंउठाइकहौंभुजदै सतिभावसदाछलछाडिसबैतुलसीजोरहैरघुबीरकोहै १७६ सोजननीसोपितासोइभ्रातसोभामिनिसोसुतसोहितमेरो सोइसगोसोसखासोइसेवकसोगुरसोसुरसाहिबचेरो सोतुलसीप्रियप्रानसमानकहौंलौंबनाइकहौंबहुतेरो जोतजिदेहकोगेहकोनेहसनेहसोरामकोहोइसबेरो १७७ रामहैंमातपितासुतबंधुऔसंगीसखागुरुस्वामिसनेही रामकीसौंहभरोसोहैरामकोरामरंगीरुचिराचोनकेही जीवतरामसुएपुनिरामसदारघुनाथहिकीगतिजेही सोईजियैजगमैतुलसीनतडोलतऔरसुएधरिदेही १७८ सियरामसरूपअगाधअनूपबिलोचनमीननकोजलुहै श्रुतिरामकथामुखरामकोनामहिएपुनिरामहिकोथलुहै मतिरामहिसोगतिरामहिसोरतिरामसोरामहिकोबलुहै सबकीनकहैतुलसीकेमतेयतनोजगजीवनकोफलुहै १७९ दसरत्थकेदानिसिरोमनिरामपुरानप्रसिद्धसुन्योजसमैं नरनागसुरासुरजाचकजोतुमसोमनभावतपावनकै तुलसीकरजोरिकरैबिनतीजोकृपाकरिदीनदयालसुनै जेहिदेहसनेहनरावरेसोऐसीदेहधराइकैकाहजनै १८० झूठोहैझूठोहैझूठोसदाजगसंतकहंतजेअंतलहाहै ताकोसहैसठसंकटकोटिककाढतदंतकरंतहहाहै जानपनीकोगुमानबडोतुलसीकेबिचारगँवारमहाहै जानकीजीवनजाननजान्योतोजानकहावतजानकहाहै १८१ तिनतेखरसूकरस्वानभलेजडताबसतेनकहैंकछुवै तुलसीजेहिरामसोनेहनहीसोसहीबिनुपसुपौंछ

विषाननहै अननीकतभारसुईदसमासभई किनवांझगई किन
है जरिजाउसोजीवनजानकिनाथजियैजगमैतुम्हरोबिनुह्वै
१८२ गजबाजिघटाभलेभूरिभटाबनितासुतभौंहतकैसवह्वै
धरनीधनधामसरीरभलोसुरलोकहूँचाहिइहैसुषसै सवषै
कटसाकटहैतुलसीअपनोनकछूसपनोदिनद्वै जरिजाउसो
जीवनजानकिनाथजियैजगमैतुम्हरोबिनुह्वै १८३
सुरराजसोराजसमाजसमृद्धिविरंचिधनाधिपसोधनभो
पवमानसोपावकसोजमसोमसोपूषनसोभवभूषनसो
करिजोगसमाधिसमीरनसाधिकैधीरबडोबसहूँमन
भो सबजायसुभायकहैतुलसीजोनजानकीजीवनकोजनभ
भो १८४ कामसेरूपप्रतापदिनेससेसोमसेसीलगनेससेमाने
हरिचंदसेसाचेवडेविधिसेमघवासेमहीपविषयसुषसाने सुक
सेमुनिसारदसेवकताचिरजीवनलोमसतेअधिकाने ऐसेभ
येतोकहातुलसीजोपैराजिवलोचनरामनजाने १८५ भूमत
हारअनेकमतंगजजीरजडेमदअंबुचुचाते तीषेतुरंगमनोगति
चंचलपौनकेगौनहुतेबढिजाते भीतरचंद्रमुषीअवलोकति
बाहिरभूपषडेनसमाते ऐसेभयेतोकहातुलसीजोपैजानकि
नाथकेरंगनराते १८६ राजसुरेसपचासककोविधिकेकरको
जोपैलिषिपाये पूतसपूतपुनीतप्रियानिजसुंदरतारतिको
मदनाये संपतिसिद्धिसबैतुलसीमनकीमनसाचितवैचितला
ये जानकिजीवनजानेबिनाजनऐसेउजीवनजीवतजाये १८७
कृसगातललातजोरोटिनकोघरवातघरीषुरपाषरिया तिनसो
मेरुसेडेरलहेमनतोनभरयोघरपैभरिया तुलसीदुषदूनो

दसादुहूंदेषिकियोमुषदारिदकोकरिया तजिआसभोदासरघु
पतिकेदसरत्थकेदानिदयादरिया १८८ कोभरिहैहरिकेरित
येरितवैपुनिकोहरिजोभरिहै उथपैतेहिकोजेहिरामथपैथपि
हैतेहिकोहरिजोटरिहै तुलसीयहजानिहियेअपनेसपनेन
हिकालहुतेडरिहै कुमयाकछुहानिनओरनकीजोपैजान
कीनाथकृपाकरिहै १८९ ब्यालकरालमहाबिषपावकमत्त
गयंदनकेरदतोरे सांसतिसंकिचलीडरपेहुतेकिंकरतेकरनी
मुषमोरे नेकुविषादनहीप्रहलादहिकारनकेहरिकेवलहोरे
कौनकीत्रासकरैतुलसीजोपैराषिहैरामतोमारिहैकोरे १९०
कृपाजेहिकीकछुकाजनहीनअकाजकछूजेहिकेमुषमोरे
करैतिनकीपरिवाहिकोजाहिबिषाननपूंछफिरैदिनदोरे तु
लसीजेहिकेरघुबीरसेनाथसमर्थसोसेवतरीझतथोरे कहा
भवभीरपरीतेहिधौंविचरैधरनीतिनसोतृनतोरे १९१ काननभू
धरवारिबयारिमहाबिषब्याधिदवाअरियेरे संकटकोटिजहां
तुलसीसुतमातपिताहितबंधुननेरे राषिहैंरामकृपालतहांहनु
मानसेसेवकहैंजेहिकेरे नाकरसातलभूतलमेरघुनायकए
कसहायकमेरे १९२ जबहीजमराजरजायसुतेमोहिलैचलि
हैभटबांधिनटैया तबतातनमातनस्वामिसषासुतबंधुबिसा
लबिपतिबटैया सासतिघोरपुकारतआरतकौनसुनैचहुं
रडटैया एककृपालतहांतुलसीदसरत्थकेनंदनबंदिकटैया
१९३ जहांजमजातनघोरनदीभटकोटिजलच्चरदंतटेवैया
जहंधारभयंकरवारनपारनबोहितनावनमीतषेवैया तुल
सीजहंमातुपितानसषानहिकोजकहूंअवलंबदेवैया त

हांविनुकारनरामकृपालबिसालभुजागहिकाढिलेवैया १९४ जहांहितस्वामिनसंगसषावनितासुतबंधुनबापनमैया काயगिरामनकेजनकेअपराधसबैछलछाडिछमैया तुलसीतेहिकालकृपालबिनादूजोकौनहैदारुनदुःखदमैया जहांसबसंकटदुर्घटसोचतहांमेरोसाहिबराषैरमैया १९५ तापसकोबरदायकदेवसबैपुनिबैरबढावतबाढे थोरेहीकोपकृपापुनिथोरेहीबैठिकैजोरततोरतठाढे ठोकिबजाइलियेगजराज़कहांलौंकहौंकेहिसोरदकाढे आरतकेहितनाथअनाथकेरामसहायसहीदिनगाढे १९६ जपजोगबिरागमहामषसाधनदानदयादमकोटिकरै मुनिसिद्धसुरेसमहेसगनेससेसेवतजन्मअनेकमरै निगमागमज्ञानपुरानपढैतपसानलमेजुगपुंजजरै मनसोपनरोपिकहैतुलसीरघुनाथबिनादुषकोनहरै १९७
पातकपीनकुदारिददीनमलीनधरेकथरीकरवाहै लोककहैबिधिहूनलिष्योसपनेहूनहीअपनेबरवाहै रामकोकिंकरसोतुलसीसमुझेहिभलोकहवोनरवाहै ऐसोकोऐसोभयोकबहूनभजेबिनुवानरकोचरवाहै १९८ मातपिताजगजायतज्योबिधिहूनलिष्योकछुभालभलाई नीचनिरादरभाजनकादरकूकुरटूकनलागिललाई रामसुभावसुन्योतुलसीप्रभुसौंकह्योबारकपेटषलाई स्वारथकोपरमारथकोरघुनाथसोसाहिबषोरिनलाई १९९ पापहरेपरितापहरेतनपूजिभोहीनलसीतेलनाई हंसकियोबकतेबलिजाउंकहांलौंकहौंकरुणाअधिकाई कालबिलोकिकहैतुलसीमनमेप्रभुकीपरतीतिअघाई जन्मजहांतहांरावरेसोनिबहेभरिदेहसनेहसगाई २०० लो

कहैअरुहौंहूँकहूँजनषोटोषरोरघुनायकहीको रावरीराम
वडीलघुताजसमेरोभयोसुषदायकहीको कैयहहानिसहौ
बलिजाउँकिमोहूकरौंनिजलायकहीको आनिहिएहि
तजानिकरोजाहोध्यानधरोधनुसायकहीको २०१
आपुहौंआपुकोनीकेकैजानतरावरोरामभरायोगढायो
कीरज्यौंनामरटैतुलसीसोकहैजगजानकिनाथपढायो सो
इहैषेदंजोबेदकहैनघटैजनजोरघुबीरबढायो हौंतोसदा
षरकोअसवारतिहारेईनामगयंदचढायो २०२ घनाक्षरी
छारतेसँवारिकैपहारहूँतेभारीकियोगारोभयोपंचमेपुनीतप
छपाइकै हौंतौजैसोतबतैसोअबअधमाइकैकैभरोपेटराम
रावरोईगुनगाइकै आपनेनिवाजेकीपैकीजैलाजमहाराजे
मेरीओरहेरिकैनबैठियेरिसाइकै पालिकैकृपालव्यालबा
लकोनमारियेऔकाटियेननाथविषहूँकोरुषलाइकै २०३
बेदनपुरानगानजानौनविज्ञानज्ञानध्यानधारनासमाधिसाध
नप्रबीनता नाहिनविरागजोगजागभोगतुलसीकेदयादानदू
बरोहौपापहीकीपीनता लोभमोहकामकोहदोसकोसमोसो
कौनकलिहूँसिषिलईमेरिऔमलीनता एकहीभरोसोराम
रावरेकहावतहौंरावरेदयालदीनबंधुमेरीदीनता २०४ सवैर
कहावौंगुनगावौंरामरावरोइरोटीद्वैहौंपावौंरामरावरीहिकानि
हौं जानतजहानमनमेरेहूँगुमानबडोमानौमैनदूसरोनमानतु
नमानिहौं पांचकीप्रतीतिनभरोसोमोहिआपनोईतुमअपना
इहौतवहिपरिजानिहौं गढिगुढिछोलिछालिकुंदकेसीभाई
बातेजैसीमुषकहौंतैसीजीयजबआनिहौं २०५ बचनवि

आरवदूकरतपुकारमनविगतविचारकलिमलकोनिधानुहै रामकोकहाइनामवेचिवेचिषाइसेवासंगतिनजाइपाछिलेको उपवानुहै तेडूतुलसीकोलोगभलोभलोकहैताकोदूसरोनहै तुयेकनीकेकोनिदानुहै लोकरीतिविदितविलोकियतजहाँतहाँ स्वामिकेसनेहस्वानदूंकोसनमानुहै २०६ स्वारथकोसाजन समाजपरमारथकोमोसोदगावाजदूसरोनजगजालहै कैन आयोकरौंनकरौंगोकरतूतिभलीलिषीनविरंचिहूंभलाईभू लिभालहै रावरीसपथरामनामहीकीगतिमेरेइहाँझूठोझूठो सोतिलोकतिहूंकालहै तुलसीकोभलोपैतुम्हारेहीकियेकृ पालकीजैनविलंबवलिपानीभरीषालहै २०७ रागकोनसा जनविरागजोगजागजियकायरनछांडिदेतठाटिवोकुठाटको मनोराजकरतअकाजभयोआजुलगिचाहैचारुचीरपैलहै नदूकटाटको भयोकरतारवडेकूरकोकृपालपायोनाम पारसहौंलालचीवराटको तुलसीकीवाजीराष्मरावरेवनाई नतोधोवीकैसोकूकुरनघरकोनघाटको २०८ ऊंचोमनऊंची रुचिभागनीचोनिपटहिलोकरीतिलायकनलंगरलवारहै स्वारथअगमपरमारथकीकहाचलीपेटकीकठिनजगजीव कोजवारुहै चाकरीनआकरीनषेतीनवनिजभीषजानतन मनकेकुछुविनिमकेवारहै तुलसीकीवाजीराषीरामहीकेना मनतोभेटपितरनसोनमुंडहूमेवारहै २०९ अपतउतार अपकारकोअगारजगजाकेछाहछुयेसहमतव्याधवाधको पातकपुहुमिपालिवेकोसहसाननकपटकोपयोधिअपराध कौ तुलसीसेवामकोभोदाहिनोदयानिधानसुनतसिहातस

बसिद्द साधुसाधको रामनामललितललामकियेलाषनकोब।
डोकूरकायरकपूतकौडीआधको २९० सबअंगहीनसबसा
धनबिहीनमनबचनमलीनहीनकूरकरतूतिहौं बुधिबल।
हीनभावभगतिबिहीनदीनगुनज्ञानहीनहीनभागहूंबिभूतिहौं
तुलसीगरीबकीगईबहोरिरामनामजाहिजपिजीहरामहूंकोबैठो
धूतिहौं प्रीतिरामनामसेप्रतीतिरामनामकीप्रसादरामनामकेप
सारिपाइसूतिहौं २९१ मेरेजानजबतेहौंजीवह्वैजनम्योजगना
बतेबेसाह्योदामलोहकोहकामको मनतिनहीकीसेवतिनही
सोभावनीकोवचनबनाइकहौंहौंगुलामरामको नाथहूंनअ
पनायोलोकरूठीह्वैपरीपैप्रभुहूतेप्रबलप्रतापप्रभुनामको
अपनीभलाईभलोकीजैतोभलोईभलोतुलसीकोषुलेतोष।
जानौषोटेदामको २९२ जोगनबिरागजपजागतपत्यागब्रत
तीरथनधर्मजानोबेदबिधिकिमिहै तुलसीसोपोचनभयोहै
नहिह्वैहैकहूंसोचैसबयाकेअघकैसेप्रभुछमिहै मेरेतोनडर
रघुबीरसुनौसांचीकहौंषलअनषैहैंतुम्हेंसज्जनननिगमिहैभ
लेसुकृतीकेसंगमोहितुलातौलिएतौनामकेप्रसादभारमेरीआ
रनमिहै २९३ जातिकेकुजातिकेअजातिकेपेटागिबसषाएटू
कसबकेबिदितबातदुनीसो मानसबचनकायकियेपापस।
तिभायरामकोकहायदासदगाबाजपुनीसो रामनामकोप्रभा
उपाउमहिमाप्रतापतुलसीसोजगमानियतमहामुनीसो अ
तिहीअभागोअनुरागतनरामपदमूढयेतेबडोअचरजदेषिसु
नीसो २९४ जायोकुलमंगनबधावनोबजायोसुनिभयोपरि
तापपापजननीजनकको बारेतेललातबिललातद्वारद्वारदी

नजानतहौचारिफलचारिहिचनकको तुलसीसोसाहिबसम
र्थकोसुसेवकहिसुनतसिहातसोचबिधिहूगनककी नामरा
मरावरोसयानोकिधौंबावरोजोकरतगिरितेगरुतृनतेतनक
को २१५ बेदहूपुरानकहीलोकहूबिलोकियतरामनामही
सोंरीझेसकलभलाईहै कासीहूमरतउपदेसतमहेससोईसा
धनअनेकचितईनचितलाईहै छाछिकोललातजेतेरामना
मकेप्रसादखातखुनसातसोधेदूधकीमलाईहै रामराजसुनिय
तराजनीतिकीअवधिनामरामरावरेतोचामकीचलाईहै २१६
सोचसंकटनिसोचसंकटपरतजरजरतप्रभाउनामललितल
लामको बूडीयोतरतबिगरीयोसुधरतिबातहोतदेषिदाहिनो
सुभाउबिधिबामको भागतअभागअनुरागतबिरागभागजा
गतआलसतुलसीहूसेनिकामको धाईधारिफिरिकैगोहारि
हितकारीहोतआईमीचमिटतजपतरामनामको २१७ आप
रोअधमजडजाजरोजराजमनसूकरकेसावककढकाढकेलो
मगमै गिरयौहिएहहरिहरामहोहरामहन्यौहाइहाइकरत
परिगोकालफंगमैं तुलसीबिसोकह्वैतिलोकपतिलोकगयो
नामकेप्रतापबातबिदितहैजगमे सोईरामनामजोसनेहसो
जपतजनताकीमहिमाक्यौंकहीहैजातअगमै २१८ जपकी
नतपषपकियोनतमाईजोगजागनबिरागत्यागतीरथनतन
को भाईकोभरोसोनषरोसोबैरबैरीहूसोबलअपनोनाहित
जननीजनककी लोककोनडरपरलोककोनसोचदेवसेवान
सहायगर्बधामकोनधनको रामहीकेनामतेजोहोइसोइनीकी
लागैऐसोइसुभावकछुतुलसीकेमनको २१९ ईसनगनेस

नदिनेसनसुरेसुरसुरगौरिगिरापतिनिहितनजपेंजपने तुम्हारोई
नामकोभरोसोभवतरिवेकोबैठेउठेजागतबागतसुषसपने तु
लसीहैवावरोसोरावरोदूरावरीसौंरावरेहूंजानिजियकीजियेजू
अपने जानकीजीवनमेरेरावरेबदनफेरेठौंउनसमाउंकहूंस
कलनिरपने २२० जाहिरजहानमेजमानोएकभांतिभयोवेचि
येविबुधधेनुरासभीबेसाहिये ऐसेउकरालकलिकालमेकृपाल
तेरेनामकेप्रतापनत्रितापतनदाहिये तुलसीतिहारोमनबच
नकरमजनयेहूनातोनेहनिजओरतेनिवाहिये रंककेनिवा
जरघुराजराजाराजनकेउमरिदराजमहाराजातेरीचाहिये २२१
स्वारथसयानपप्रपंचपरमारथकहायोरामरावरोहोंजानतजहा
नुहे नामकेप्रतापवापआजलौंनिवाहीनीकी आगेकोगोसांई
स्वामीसबलसुजानहै कलिकीकुचालिदेषिदिनदिनदुनीदेव
पाहरुईचोरहेरिहियहहरानुहै तुलसीकीवलिवारवारहीसम्हा
रकीवीजद्यपिकृपानिधानसदासावधानहै २२२ दिनदिनदुनी
देषिदारिदुकालदुषदुरितदुराजसुषसुकृतसकोचहै मांगैपैत
पावतप्रचारिपातकीप्रचंडकालकीकरालताभलेकोहोतपो
चहै आपनेतोयेकअवलंबअंबईभज्योसमर्थसीतानाथस
बसंकटविमोचहै तुलसीकीसाहससराहियेकृपालरामनाम
केभरोसेपरिनामकोनिसोचहै २२३ मोहमदमातोरातोकुमति
कुनारिसोविसारिवेदलोकलाजआकरोअचेतहै भावैसोक
रतसुषआवैसोकहतकछुकाहूकीसहतनाहिसरकसहेतुहै
तुलसीअधिकअधमाईहूअजामिलतेताहूमेसहायकलिक
पटनिकेतहै जैवेकीअनेकटेकएकटेकह्वैवेकीसोपेटप्रियपूत

हितरामनामलेतहै २२४ जागियेनसोइयेबिगोइयेजनमजा
इदिनदुषरोइएकलेसकोहकामको राजारंकरागीऔबिरागीभू
रिभागीएअभागीजीवजरतप्रभाउकलिबामको तुलसीकबंध
कैसोधाइबोबिचारुअंधधुंधदेषियतजगसोचपरिनामको सो
इबोजोरामकेसनेहकीसमाधिसुषजागिबोजोजीहजपैनीकेरा
मनामको २२५ बरनधरमगयोआश्रमनिवासतज्यौत्रासन
चकितसीपरावनोपरोसोहै परमउपासनाकुबासनाबिनासो
ज्ञानबचनबिरागबेषजगतहरोसोहै गोरषजगायोजोगभगति
भगायोलोगनिगमनियोगतेसोकलिहिछरोसोहै कायमन
बचनसुभायतुलसीहैजाहिरामनामकोभरोसोताहीकोभरोसो
है २२६ सबैया बेदपुरानबिहाइसुपंथकुमारगकोटिकुचा
लिचलीहै कालकरालनृपालकृपालनराजसमाजवडोइछ
लीहैं बर्नबिभागनआश्रमधर्मदुनीदुषदोषदरिद्रदलीहै
स्वारथकोपरमारथकोकलिरामकोनामप्रतापबलीहै २२७
नमिटैभवसंकटदुर्घटहैतपतीरथजन्मअनेकअटौ कलिमे
नबिरागनज्ञानकहूंसबलागतफोकटझूटजटौ नटज्यौंजि
नपेटकुपेटककोटिकचेटककौतुकठाटठटौ तुलसीजोसदा
सुषचाहियेतौरसनानिसिबासररामरटौ २२८ दमदुर्गमदा
नदयामषकर्मसुधर्मअधीनसबैधनको तपतीरथसाधनजो
गबिरागसोंहोइनहीदृढतातनको कलिकालकरालमेरामकृ
पालइहैअवलंबबडोमनको तुलसीसबसंजमहीनसबैएक
नामअधारसदाजनको २२९ पाइसुदेहबिमोहनदीतरनीन
लहीकरनीनकछूकी रामकथाबरनीनबनाइसुनीनकथाप्र

हलादनधूकी अबजो जराजरिगातगये मनमानिगलानिकु वानिनमूकी बीकेबैठीकदईतुलसीअबलंबबडीउरआप रदूकी २३० रामबिहाइमराजपतेबिगरीसुधरीकबिकोकि लदूकी नामहितेगजकीगनिकाहुअजामिलकीचलिगैच लचूकी रामप्रतापबडेकुसमाजबजाइरहीपतिपंडुबधूकी ताकोभलोअजहूंतुलसीजेहिप्रीतिप्रतीतिहैआपरदूकी २ ३१ नामअजामिलसेषलतारनतारनवारनबारबधूको ना महरेप्रहलादबिषादपिताभयसासतिसागरसूको नामसो प्रीतिप्रतीतिबिहीनगिलोकलिकालकरालनचूको राषिहैं रामसोजासुहियेतुलसीहुलसैबलआपरदूको २३२ घना सरी षेतीनकिसानको भिषारीको न भीषबलिबनिककों बनिजन चाकरको चाकरी जीवकाबिहीनलोगषिद्यमा नसोचबसकहैएकएकनसोकहांजाइकाकरी बेदहूंपुरान कहीलोकहूंबिलोकियतसांकरेसबको रामरावरेकृपाक री दारिददसाननदवाईदुनीदीनबधुदुरितदहनदेषितुलसीहहा करी २३३ कुलकरतूतिभूतिकीरतिसरूपगुनजोबनज्वर जरतपरतनकछुकही राजकाजकुपथकुसाजभोगरोगहीके बेदबुधबिद्यापाइबिबसबलकही गतितुलसी सकी लषतन हिजोतुरतपबितेकरतछारपबसोफलकही कालोकीजैरोषदोषदीजैकाहिपाहिरामकियोकलिकालकु लिपललषलकही २३४ बबुरबहेरेकोबनाइबागलाइयत रूंधबेकोसोऊसुरतरुकाटियतहै गारीदेतनीचहरिचंदहूंदधी

चहूकोआपनेचनाचवाइहाथचाहियतहै आउमहापातकी हंसनहरिहरहूकोआउहैअभागीभूरिभागीडाँटियतहै कलि कीकलुषमनमलिनकिएकहतमसककीपाँसुरीपयोधिपाटि यतहै २२५ सुनियेकरालकलिकालभूमिपालतुमजाहिघा लोचाहियेकहोधाँरापैताहिको हाँतोदीनदूबरोबिगारोंढारों रावरोनमेंहूँतेंहूँताहिकोसकलजगजाहिको कामकोहलाइ केदेषाइयतआँषिमोहियेतेमानअकसकोवेकोआपुआहिको साहिबसुजानजिनस्वानहूकोपक्षकियोरामबोलानामहाँगुल मरामसाहिको २२६ सवैया साँचीकहौंकलिकालकराल मेंडारौंबिगारोंतिहारोकहाहै कामकोलोभकोक्रोधकोमो हकोमोहीसोआनिप्रपंच रह्यो हौंजगनायकलायकआजु पैमेरियौटेवकुटेवमहाहै जानकीनाथबिनातुलसीजगदूस रेसोकरिहैनहहाहै २२७ भागीरथीजलपानकरौंअरुनाम द्वैरामकेलेतनितेहौं मोसोनलेनोनदेनोकछूकलिभूलिन रावरेओरचितेहौं जानिकैजोरकरौंपरिनामतुम्हेपछितैहौ पैमैनभितैहौं ब्राह्मनज्यौंउगिल्योउरगारिहौंखोहीतिहारे हियेनहितैहौं २२८ राजमरालकेबालकपेलिकेपालतला लतषूसरको सुचिसुंदरसालिसकेलिसबारिकैबीजवटोरत ऊसरको गुनज्ञानगुमानभभेरिबडोकल्पद्रुमकाटतमूसर को कलिकालबिचारअचारहरोनहिसूझैकछूधमधूसर को २२९ कीबेकहापढिबेकोकहाफलबूझिनवेदकोभेदबि चारो स्वारथकोपरमारथकोकलिकामदरामकोनामबिसा

ह्यो। बादबिबादबिषादबढाइकैछातीपराईऔ आपनीजार्यो। चारिहूकोछहूकोनवकोदसआठकोपाठकुकाठज्यौंफार्यो। २४० आगमबेदपुरानबषानतकोटिकमारगजाहिनजाने जेमुनितेपुनिआपुहिआपुकोईसकहावतसिद्धसयाने धर्मसवैकलिकालग्रसेजपजोगबिरागलैजीवपराने कोकरिसोचमरेतुलसीहमजानकिनाथकेहाथबिकाने २४१ धूतकहैअवधूतकहौरजपूतकहौजोलहाकहौकोऊ काहूकेवटीसोवेटानव्याहिहौंकाहूकीजातिबिगारनसोऊ तुलसीसरनामगुलामहैरामकोजाकोरुचैसोकहेकछुओऊ माँगिकैषैवोमजीतकोसोइवोलेवोएकनदेवेकोदोऊ २४२ घनाक्षरी मेरेजातिपाँतिनचहौंकाहूकीजातिपाँतिमेरेकोउकामकोनहौंकाहूकेकामको। लोकपरलोकरघुनाथहीकेहाथसबभारीहैभरोसोतुलसीकेएकनामको अतिहीअयानेउपषानेनहिबूझैलोगसाहेबकेगोतगोतहोतहैगुलामको। साधुकेअसाधुकेभलोकैपोचसोचकहाकहाकाहूकेद्वारपरयौंजोहौंसोहौंरामको। २४३ कोऊकहैकरतकुसाजदगाबाजबडोकोऊकहैरामकोगुलामषरोषूबहै साधुजानैमहासाधुषलजानैमहाषलबानीझूठीसाँचीकोटिउठतहबूबहै चहतनकाहूसोकहतनकाहूकोकछुसबकीसहतउरअंतरनऊबहै तुलसीकोभलोपोचहाथरघुनाथहीकेरामकीभगतिभूमिमेरीमतिदूबहै २४४ जागैंजोगीजंगमजतीजमातध्यानधरैडरैउरभारीलोभमोहकोहकामके जागैंराजाराजकाजसेवकसमाजसाजसोचैसुनिसमाचारबडेवैरीबामके जागैंवुधबिद्याहितपंडितचकितचित

जागैंलोभीलालचधरनिधनधामके जागैंभोगीभोगहिवियो
गीरोगीरोगबससोवैसुषतुलसीभरोसेएकरामके २४५ छ।
प्पै राममातुपितुबंधुसुजनगुरपूज्यपरमहित साहेबसखा
सहाइनेहनातोपुनीतचित देसकोसकुलकर्मधर्मधनधाम।
धरनिगति जातिपांतिसबभांतिलागिरामहिहमारमति पर
मारथस्वारथसुजससुलभरामतेसकलफल कहैतुलसिदा।
सअबजबकबहूंएकरामतेमोरभल २४६ महाराजबलिजाँउ
रामसेवकसुषदायक महाराजबलिजाँउरामसुंदरसबलाय।
क महाराजबलिजाँउरामसंकटसबमोचन महाराजबलि
जाँउरामराजीवबिलोचन बलिजाँउरामकरुनायतनप्रनत
पालपातकहरन बलिजाँउरामकलिभयबिकलतुलसिदास।
राषियसरन २४७ जयताडकासुबाहुमथनमारीचमानहर
मुनिमषरक्षनदक्षसिलातारनकरुनाकर नृपगनबलमदस
हितसंभुकोदंडबिहंडन जयकुठारधरदर्पदलनदिनकरकुल
मंडन जयजनकनगरआनंदप्रदसुषसागरसुषमाभवन
कहैतुलसिदाससुरमुकुटमनिजयजयजयजानकीरमन २४८
जयजयंतजयकरअनंतसज्जनजनरंजन जयबिराधब
धबिदुषबिबुधमुनिगनभयभंजन जयनिसिचरीकुरूपकर
नरघुबंसबिभूषनं सुभटचतुर्दससहसदलनत्रिसिराषरदूषन
जयदंडकबनपावनकरनतुलसिदाससंसयसमन जगबिदित
जगतमनिजयनिजयजयजयजयजानकीरमन २४९ जयमा
यामृगमथनगीधसबरीउद्धारन जयकबंधसूदनबिसालत
रुतालबिदारन दवनबालिबलसालियपनसुग्रीवसंतहित

कपिकरालभटभालुकटककपालकक्षपालचित जयसियवि
योगदुषहेतुकृतसेतुबंधवारिधिदमन दससीसविभीषनअभ
यप्रदजयजयजयजानकीरमन २५० कनककुधरकेदारबी
जसुंदरसुरमुनिवर सींचिकामधुकधेनुसुधामयपयविसुद्धत
र तीरथपतिअंकुरस्वरूपजक्षेसरक्षतेहि मरकतमनिसाषा
सुपत्रमंजरीसुलक्षिजेहि कैवल्यसकलफलकल्पतरुसुभसुभ
उसबसुषवरिस कहैतुलसिदासरघुबंसमनितौकिहोंहित
वकरसरिस २५१ जाइसोसुभटसमर्थपाइरनरारिनमंडै जा
इसोजतीकहाइविषैवासनानछंडै जाइधनिकबिनुदानजा
इनिर्धनबिनुधर्महि जाइसोपंडितपढिपुरानजोरतनसुक
र्महि सुतजाइमातुपितुभक्तिबिनुतियसोजाइजेहिपतिनहि
त सबजाइदासतुलसीकहैजौंनरामपदनेहनित २५२
कोनक्रोधनिर्दहेउकामबसकेहिनहिकीन्हो कोनलोभदृ
ढफंदबाँधित्रासनकरिदीन्हो कवनहृदयनहिलागकठि
नअतिनारिनयनसर लोचनयुतनहिभयतअंधश्रीपाइकू
वननर सुरनागलोकमहिमंडलहुकोजोमोहकीन्होजयन
कहैतुलसिदाससोऊबरेजेहिराषुरामराजीवनयन २५३
सवैया भौंहँकमानसंधानसुठानजोनारिविलोकनिबान
तेबाँचै कोपकृसानुगुमानअवायटजेजिनकेमनआँचन
आँचै लोभसबैनटकेबसह्वैकपिज्योंजगमेंबहुनाचननाँ
चै नीकेहैसाधुसबैतुलसीपैतेईरघुबीरकेसेवकसाँचै
घनाक्षरी वेषसुबनाइभलेवचनकहैचुवाइजाइतौनजर
निघरनिधनधामकी कोटिकउपाइकरिलालिपालियतदे

हमुषकहियतगतिरामहीकेनामकी प्रगटैउपासनादुरावैदु
र्वासनाहिमानसनेवासभूमिलोभमोहकामकी रागरोषईर्षा
कपटकुटिलाईभरेतुलसीसेभगतभगतिचाहैरामकी २५५
कालिहीतरुनतनकालिहीधरनिधनकालिहीजितौंगोरनक
हतकुचालिहै कालिहीसाधौंगोकाजकालिहीराजासमाज
मासोकोउकहाभारमहीमेरहालिहै तुलसीयहीकुभांतिघ
निघरघालिआयेघनेघरघालतहैघनेघरघालिहै देषतसुनतसमुझतहू
नसुझैसोईकबहूंकह्योनकालहूकोकालकालिहै २५६ भयोनतिकालति
हूलोकतुलसीसोमंदनीदैसबसाधुसुनिमानोनसकोचहौं जानतन
जोगहियहांनिमानैजानकीसकाहेकोपरेखोहोपापीप्रपंचीपोच
हौं पेटभरिवेकेकाजमहाराजकोकहायोमहाराजहूकह्योहै
प्रनतबिमोचहौं निजअघजालकलिकालकीकरालताबि
लोकिहोतव्याकुलकरतसोईसोचहौं २५७ धर्मकोसेतुजग
मंगलकोहेतुभूमिभारहरिवेकोअवतारलियोनरको नीति
औप्रतीतिप्रीतिपालचालिप्रभुमानलोकवेदराषिवेकोपनरघु
बरको बानरबिभीषनकीओरकोकनावडोहैसोप्रसंगसुनेअं
गजरेअनुचरको राषेरीतिआपनीजोहोइसोइकीजैबलितुल
सीतिहारोघरजाइहूहैघरको २५८ नाममहाराजकेनिवाहीनी
कीकीजैउरसबहीसोहातमैनलोगनसोहातहौं कीजैरामवार
एहीमेरीओरचषकोरताहिलगिरंकज्योंसनेहकोललातहौं
तुलसीबिलोकिकलिकालकीकरालताकृपालकोसुभाउस
मुझतसकुचातहौं लोकएकभांतिकोत्रिलोकनाथलोकबस
आपनोनसोचस्वामीसोचहीसुषातहौं २५९ तोलौंलोभलो

सुपललोतेलालचोलवारवारवारलालचधरनिधनधामको
तबलौंवियोगरोगसोगभोगजातनाकेजुगसमलागतजीवन
जामजामको तोलौंदुषदारिदाहतअतिनित तनतुलसीहै
किंकरविमोहकोहकामको सबदुषआपनेनिरापनेसकलसुषजोलौं
जनभयोनबजाइराजारामको २६ तोलौंमलीनहीनदीनसु
षसपनेनजहांतहांदुषीजनभाजनकलेसको तोलौंउवेनेया
यफिरतपेटौषलायबायेमुहसहतपराभवदेसदेसको तब
लौंदयावनोदुसहदुषदारिदकोसाथरीकोसोइवोओढिबोदू
नेषसको जबलौंनभजैजीहजानकीजीवनरामराजनकोरा
जासोतोसाहेबमहेसको २६१ ईसनकेईसमहाराजनकेम
हाराजदेवनकेदेवदेवप्रानहूंकेप्रानहो कालहूंकेकालमहा
भूतनकेमहाभूतकर्महूंकेकरमनिदानकेनिदानहो निगमकोअग
मसुगमतुलसीहूसेकोएतेमानसीलसिंधुकरुनानिधानहो महि
माअपारकाहूबोलकोनवारापारवडीसाहिवीमेनाथबडेसा
वधानहो २६२ सवैया आरतपालकृपालजेरामजेहीसुु
मिरेतेहिकोतहांठाढे नामप्रतापमहामहिमाअकरेकिएषो
टेउछोटेउबाढे सेवकएकतेएकअनेकभएतुलसीतिहुंताप
नडाढे प्रेमबदोंप्रहलादहिकोजिनपाहनतेपरमेसुरकाढे
२६३ काढिकृपानकृपानकहूपितुकालकरालबिलोकि
नभागे रामकहांसवठांउहैंषंभमेहांसुनिहांकनिकेहरिजागे
वैरीविदारिभएविकरालकहेप्रहलादहिकेअनुरागे प्रीति
प्रतीतिवढीतुलसीतबतेसवपाहनपूजनलागे २६४ अंत
रजामिहुतेवडेवाहेरजामिहैरामजेनामलियेते धावतधेनुप

म्हाइलबाइजोबालकबालकबोलनिकानकियेते आपनि
बूझिकहैतुलसीकहिवेकीनबावरिबातबियेते पैजपुरेप्रहला
दहूकोप्रगटेप्रभुपाहनतेनहियेते २६५ बालकबोलिदियो
बलिकालकोकायरकोटिकुचालचलाई पापीहैबापबडोम
परितापतेआपनीओरतेषोरिनलाई भूरिदईबिषमूरिभई
प्रहलादसुधाईसुधाकीमलाई रामकृपातुलसीजनकोजग
होतभलेकोभलोईभलाई २६६ कंसकरीब्रजबासिनपैंकर
तूतिकुभांतिचलेनचलाई पंडुकेपूतसपूतकपूतसुजोधन
भोकलिछोटोछलाई कान्हकृपालबडेनतपालगयेषल
षेचरषीसषलाई ठीकप्रतीतिकहैतुलसीजगहोइभलेकोभ
लोईभलाई २६७ अवनीसअनेकभयेअवनीजिनकेडरते
सुरसोचसुषाहीं मानवदानवदेवसतावनरावनघाटिरच्यो
जगमाहीं तेमिलयेधरिधूरिसुजोधनजेचलतेबहुछत्रकी
छाहीं बेदपुरानकहैजगजानगुमानगोबिंदहिभावतनाहीं
२६८ जबनैननप्रीतिठईठगस्यामसोंसयानिसषीहठिहोंब
रजी नहिजानौबियोगसुरोगहैआगेझुकीतबहौंतोहिसोंत
रजी अबदेहभईपटनेहकेघालेसोषोजकरैबिरहादरजी
ब्रजराजकुमारबिनासुनुभृंगअनंगभयोजियकोगरजी
॥ २६९ ॥ जोगकथापठईब्रजकोसबसोसठ
चेरीकीचालचलाकी ऊधौजूकौनकहैकुबरी
जोबरीनटनागरहेरिहलाकी ॥ ५ ॥

जाहिलगेपैरिजानेसोईतुलसीसोसोहागिनिनंदललाकी जा
नीहैजानपनीहरिकीअबबाँधियैगीकछुमोटकलाकी। २७०
घनाक्षरी पठयोहैछपदछबीलेकान्हकहूकहूँषोजिकेषवा
सषासोकूबरीसोबालको ज्ञानकोगढैयाबिनुगिराकोपढैया
बारषालकोकढैयासोबढैयाउरसालको प्रीतिकोबधिककर
रीतिकेअधिकनीतिनिपुनबिबेकहैनिदेसदेसकालको तुल
सीकहेनबनेसहेहीबनैगीसबजोगभयोजोगकोबियोगनंद
लालको २७१ हनुमानद्वैकृपाललाडिलेलषनलालभावते
भरतहैंजेसेवकसहायजू बिनतीकरतदीनदूबरोदयावनो
सोबिगरेतेआपुहीसुधारिलीजैभायजू मेरीसाहिबिनीसदा
सीसपरबिलसतिदेवीक्योंनदासकोदेषायतपायजू षीझहू
मेरीझिबेकीबानिरामरीझतहैरीझेह्वैहैरामकीदोहाईरघुरा
यजू २७२ सबैया बेषबिरागकोरागभरोमनभावकहौंस
तिभावहौंतोसो तेरेहीनाथकोनभलेबेचिहौंपातकीपाव
रघ्राननियोसो येतेबडेअपराधीअघीकहूतेकहोअबकिमे
रोतूमोसोस्वारथकोपरमारथकोपरिपूरनभोफिरिघाटनहीं
सो २७३ घनाक्षरी जहाँबालमीकभयेव्याधतेमुनिंदसा
धुमरामराजपेसिषसुनिरिषिसातकी सीयकोनिवासलव
कुसकोजनमथलतुलसीछुअतछाँहतापगरैगातकी बि
टपमहीपसुरसरितसमीपसोहैसीताबटपेषतपुनीतहोतपा
तकी बारिपुरदिगपुरबीचबिलसतिभूमिअंकितजोजान
कीचरनजलजातकी २७४ मरकतबरनपरनफलमानिक
सेलसैजटाजूटजनुरूषबेषहरहै सुषमाकोढेरकैधौंसुकृत

सुमेरुकेधौंसंपदासकलमुदमंगलकोघरुहे देतश्रभिमतजो
समेतप्रीतिसेइएप्रतीतिमानितुलसीबिचारिकाकोथरुहै सु
रसरिनिकटसोहावनीश्रवनिसोहैरामरवनीकोबटकलिकाम
तरुहे २७५ देवधुनीपासमुनिबासश्रीनिबासजहाँप्राकृतहूं
बटवृटबसतपुरारिहै जोगजपजागकोबिरागकोपुनीतपी
ठिरागिनपैसीठिडीठिबाहरीनिहारिहै श्रायसुश्रादेसबा
बूभलोभलोभावसिद्धतुलसीबिचारिजोगीकहतपुकारिहै
रामभगतनकोतोकामतरुतेश्रधिकसीयबटसेयेकरतल
फलचारिहै २७६ जहाँबनपावनोसोहाँवनेबिहंगमृगदे
षिश्रतिलागतश्रनंदषेतषूंटसो सीतारामलषननिबास
बासमुनिनकोसिद्धसाधुसाधकसबैबिबेकबूटसो झरना
झरतवारिसीतलपुनीतबारिमंदाकिनिमंजुलमहेसजटाजू
टसो तुलसीजोरामसोसनेहसाँचोचाहियेतोसेइयेसनेह
सोबिचित्रचित्रकूटसो २७७ मोहबनकलिमलजरतजन
जोनिजियसाधुगाइबिप्रनकेभयकोनिवारिहे दीन्हीहेर
जाइरामपाइसोसहायलाललक्षनसमर्थबीरहेरिहेरिमा
रिहै मंदाकिनीमंजुलकमानश्रसिवानजहाँबारिधारधीर
धरिसुकरसुधारिहै चित्रकूटश्रचलश्रहेरीबैठ्योघातमानो
पातकनकेब्रातघोरसावकसंघारिहै २७८ सवैया लागिद
वारिपहारढहीलहकीकपिलंकजथाषिरषोकी चारुचुवा
चहुंश्रोरचलीलपटैझपटैसोतमीचरतोकी क्योंकहिजा
तमहासुषमाउपमातकिताकतहैकबिकोकी मानोलसी
तुलसीहनुमानहियेजगजीतजरायकीचोकी २७९

देवकहै अपनी अपनी अवलोकनतीरथराजचलोरे देषि। मिटै अपराधअगाधनिमज्जतसाधुसमाजभलोरे सोहैसिता सितकोमिलिबो तुलसीहुलसैहियहेरिहलोरे मानोहरेतृन चारुचरैबगरेसुरधेनुकेधौलकलोरे २९० देवनदीकहं जोजनजानकियेमनसाकुलकोटिउधारे देषिचलेझगरैसु रनारिसुरेसबनाइबिबानसँवारे पूजाकोसाजबिरंचिरचैतुल सीजेमहातमजाननिहारे ओककीनेवपरीहरिलोकबिलो कतगंगतरंगतिहारे २९१ ब्रह्मजोव्यापकबेदकहैगमना हिगिरागुनज्ञानगुनीको जोकरताभरताहरतासुरराइसुं साहिबदीनदुनीको सोईभयोद्रवरूपसही जोहैनाथबिरं चिमहेसमुनीको मानिप्रतीतिसदातुलसीजलकाहेनसेवत देवधुनीको २९२ बारितिहारोनिहारिमुरारिभयेपरसेपद पापलहौंगो ईसह्वैसीसधरौंपैडरौंप्रभुकीसमताबडेदोषद हौंगो बरुबारहिंबारसरीरधरौंरघुबीरकोह्वैतवतीरहौंगो भागीरथीबिनबौंकरजोरिबहोरिनषोरिलगैसोकहौंगो २९३ घनाक्षरी लालचीललातबिललातद्वारद्वारदीनबदनमली नमनमिटैनाबिसूरना ताकततराधकैबिवाहकैउछाहकछु डोलैलोलबूझतसबदढोलतूरना प्यासेहूनपावैबारिभूषे नचनकचारिचाहतअहारतेपहारदारिधूरना सोकको अ गारदुषभारभरौतौलौंजौलौंदेवीद्रवैनभवानीअन्नपूरना २९४ छप्पै भस्मअंगमर्दनअनंगसंततअसंगहर सी सगंगगिरिजाअर्धंगभूषनभुजंगबर मुंडमालबिधुबालभा लडमरुकपालकर बिबुधबृंदनवकुमुदचंदसुषकंदसूल।

धर त्रिपुरारित्रिलोचनदिगबसनविषभोजनभवभयहरन क
हैतुलसिदाससेवतसुलभसिवसिवसंकरसरन २८५ गरल
असनदिगबसनब्यसनभंजनजनरंजन कुंदइंदुकर्पूरगोर
सच्चिदानंदघन बिकटबेसउरसेससीससुरसरितसहजसु
चि सिवअकामअभिरामधामनितरामनामरुचि कंदर्पद
र्पदुर्गमदमनउमारमनगुनभवनहर त्रिपुरारित्रिलोचनत्रि
गुणपरत्रिपुरमथनजयत्रिदसबर २८६ अर्धअंगअंगना
महानामजोगीसजोगपति बिषमअसनदिगबसननामबि
श्वेसबिश्वगति करकपालसिरमोलव्यालबिषभूतिबिभू
षननामसुद्धअबिरुद्धअमरअनवद्यअदूषन बिकरालभू
तबेतालप्रियभीमनामभवभयदमन सबबिधिसमर्थमहि
माअकथ्थसोतुलसिदाससंसयसमन २८७ भूतनाथभय
हरनभीमभयभवनभूमिधर भानुमंतभगवंतभूतिभूषनभु
जंगबर भव्यभावबल्लभभवेसभवभारबिभंजन भूरिभोग
भैरवकुजोगगंजनजनरंजन भारतीबदनधर्मसदनससि
पतंगपावकनयन कहैतुलसिदासकिनभजसिमनभद्र
सदनमर्दनमयन २८८ सवैया नांगोफिरैकहैमांगनो
देखिनखांगोकछूजनिमांगियेथोरे संकनिनाकपरीकिकरै
तुलसीजगजोजुरेजाचकजोरे नाकसंवारतआयेहौंनाक
हिनाहिपिनाकिहिनेकुनिहोरे बिरंचिकहैगिरिजासिखवोप
तिरावरोदानिहैबावरोभोरे २८९ विषपावकव्यालकपाल
गरेसरनागततौतितिहुंतापनडाढे भूतबेतालसखाभवनामद
लिपलमेभवकेभयगाढे तुलसीसदरिद्रसिरोमनिसोसु

मिरेदुषदारिददोहिनठाढे भौनमेंमांगधतूरोइ आगननागे केआगेहैंमांगनेवाढे २९० तीसबसैवरदाबरदानिषवधो। बरदाघरम्योबरदाहे धामधत्तरोबिभूतिकोकूरोनिवासत हौसबलैमरदाहै व्यालीकपालीहैव्यालीचद्रूदिसिमांगके टाटिन्हकोपरदाहै रांकसिरोमनिकाकिनिभावबिलोकत। लोकपकोकरदाहै २९१ दानिजोचारिपदारथकोत्रिपुरारि तिहूंपुरमेसिरटीको भारोभलोभलेभावकोभूषोभलोईकि योसुमिरेतुलसीको ताबिनुआसकोदासभयोकबहूंनमि। टयोलघुलालचजीको साथोंकहाकरिसाधनतैंजोपैराधो नहीपतिपारबतीको २९२ जातेजरेसबलोकबिलोकि त्रिलोचनसोबिषलोकलियोहै पानकियोबिषभूषनभो करुनाबरुनालयसांइहियोहै मेरोइफोरबेजोगकपारकि धौंकछुकाहूलषाइदियोहै काहेनकानकरौबिनतीतुलसी कलिकालबेहालकियोहै १९३ घनाक्षरी षायोकालकू टभयोअजरअमरतनभवनमसानगथगादरीगरदकी डम रुकपालकरभूषणकरालव्यालबावरेबडेकीरीझबाहनबर दकी तुलसीबिसालगोरेगातबिलसतभूतिमानोहिमगिरि चारुचांदनीसरदकी अर्थधर्मकाममोक्षबसतबिलोकनि मेकासीकरामातिजोगीजागतिमरदकी २९४ पिंगलजटा कलापमाथेपैपुनीतआपपावकनैनाप्रतापभूपबरतहै लोयनबिसालललालसोहैबालचंद्रभालकंठकालकूटव्याल भूषनधरतहै देतनच्यधातरीझिवातपातआकहीकेभोरा नाथजोगीजबअवढरढरतहै सुंदरदिगंबरबिभूतिगातभा

गुषातरूरेशृंगीपूरेकालकंटकहरतहे २९५ देतसंपदास
मेतश्रीनिकेतजाचकनिभवनबिभूतिभौगइष्भवाहनुहै
नामवामदेवदाहिनोसदाअसंगरंगअरधंगअंगनाअनंग।
कोमहनुहै तुलसीमहेसकोप्रभावभावहीसुगमअगमनिग
महूंकोनानिवोगहनुहै भेषतौभिषारीकोभयंकररूपसंक।
रदयालदीनबंधुदानीदारिदहनुहै २९६ चाहेनअनंग
अरिएकोअंगमांगनेकोदेवोइपैजानिएसुभावसिद्धबानिसो
बारिबुंदचारित्रिपुरारिपरडारियेतौदेतफलचारिलेतसेवासां
चीमानिसो तुलसीभरोसोनभवेसभोरनाथकोतोकोटिकक
लेसकरोमरोछारछानिसो दारिदमनदुषदोषदाहदावान
लदुनीनदयालदूजोदानिसूलपानिसो २९७ काहेकोअ
नेकदेवसेवतजागेमसानषोअतअपानसठहोतहठिप्रेतरे
काहेकोकोटीउपायकरतमरतधायजाचतनरेसदेसदेसके
अचेतरे तुलसीप्रतीतिबिनुत्यागेतौप्रयागतनुधनहीकेहेत
दानदेतकुरुषेतरे पातहैधतूरकेहैभोरेकैभवेससोसुरेसही।
कीसंपदासुभायसोनलेतरे २९८ संघटगयंदबाजिराजिभ
लेभलेभटधनधामनिकरकरनिहूंनपूजेक्के बनिताबिनी
तपूतपावनसोहावनेओबिनयबिबेकबिद्यासुभगसरीरवे
इहांऐसोसुषपरलोकसिवलोकओकनाकोफलैतुलसी
सोसुनोसावधानहै जानेबिनुजानेकैरिसानेकेलिकबहूंक
सिवहिचढायेहैहैबेलकेपतोआहै २९९ रतिसीरवनिसि
धुमेषलाअवनिपतिऔनिपअनेकठाढेहाथजोरिहारिकै
संपदासमाजदेषिलाजसुरराजहूंकेसुषसबबिधिबिधि

दीन्हेहैंसबारिकै इहांऐसोसुषसुरलोकसुरनाथपदताको फलतुलसीसोकहैगोबिचारिकै आककेपतौआवारिफूल केधतूरेकेद्वैदीन्हेह्वैहैंबारकपुरारिपरडारिकै ३०० देवसरि सेवौंबामदेवगांवरावरेहीनामरामहीकेमांगिउदरभरतहौं दीबेजोगतुलसीनलेतकाहूकोकछुकलिषीनभलाईभालपो चनकरतहौं येतेहूपरकोऊजोरावरोह्वैजोरकरैताकोजोर देवदीनद्वारेगुदरतहैं पाइकैऔराहनोओराहनोनदीजैमो हिकालिकालाकासीनाथकहेनिबरतहौं ३०१ चेरोरामरा यकोसुजससुनितेरोहरुपाइतरआइरह्योसुरसरितीरहौं बा मदेवरामकोसुभावसीलजानियतनातोनेहजानिजियरघुबी रभीरहौं अधिभूतबेदनबिषमहोतभूतनाथतुलसीबिक लपाहिपचतकुपीरहौं मारियेतोअनायासकासीबासषास फलज्याइयेतोकृपाकरिनिरुजसरीरहौं ३०२ जीबेकीनला लसादयालमहादेवमोहिमालुमहैतोकोमरबेईकोरहतहौं कामरिपुरामकेगुलामनिकोकामतरुअबलंबजगदंबसहि तचहतहौं रोगभयोभूतसोकुसूतभयोतुलसीकोभूतनाथ पाहिपदपंकजगहतहौं ज्याइयेतोजानकीजीवनजनजानि जियमारियेतोमांगीमीचसूधियेकहतहौं ३०३ भूतभव भवतिपिसाचभूतप्रेतप्रियआपनोसमाजसिवआपुनीकेजानि ये नानाबेषबाहनबिभूषनबसनबासषानपानबलिपूजाबि धिकोबषानिये रामकेगुलामनकीरीतिप्रीतिसूधीसबसबसे सनेहसबहीकोसनमानिये तुलसीकीसुधरैसुधारेभूतना थहीकेमेरेमायबापगुरसंकरभवानिये ३०४ गौरीनाथ

भोरानाथभवानभवानीनाथविश्वनाथपुरफिरिश्रानकलि-
कालकी संकरसेनरगिरिजासीनारीकासीवासीवेदकहीस
हीसिसेषरकपालकी छमुषगनेसतेमहेसतेपिश्रारेलोगबि
कलबिलोकियतनगरीबिहालकी पुरीसुरबेलिकेलिकाटतकिरा
तकलिनिठुरनिहारियेउघारिडीठिभालकी २०५ ठकुरमहेस
ठकुराइनिउमासीजहांलोकबेदहूंबिदितमहीमाठहरकी भटरुद्र
गनपूतगनपतिसेनापतिकलिकालकीकुचालकाहूंतोगहरकी
बीसीबिश्वनाथकीबिषादबडोबारानसीबूझियेनऐसीगतिसंक
रसहरकी कैसेकहैतुलसीदृषासुरकेबरदानिबानिजानिसुधात
जिपीवनजहरकी २०६ लोकबेदहूंबिदितबारानसीकीबडाईबा
सीनरनारीईसअंबिकासरूपहैं कालनाथकोतवालदंडकारीदंड
पानिसभासदगनपसेअमितअनूपहैं तहऊंकुचालकलिकाल-
कीकुरीतिकैधौंजानतनमूढइहांभूतनाथभूपहैं फलैफूलैफैलैषल
सीदैसाधुपलपलबातीदीपमालिकाठठाइयतसूपहैं २०७ पंचको
सपुन्यकोसस्वारथपरमाथकोजानिआपुआपनेसुपासबासदि-
योहै नीचनरनारिनसंभारिसकेश्रादरलहतफलकादरबिचारि
जोनकियोहै बारीबारानसीबिनुकहेचक्रचक्रपानिमानिहितहा
हानिसोमुरारिमनभियोहै रोसमेंभरोसोएकश्रासतोसकहिजात
बिकलबिलोकिलोककालकूटपियोहै २० रचतबिरंचिहरिपाल
तहरतहरतेरेहीप्रसादजगअगजगपालिके तोहिमेंबिकासबिश्व
तोहिमेबिलाससबतोहिमेसमातुमातुभूमिधरबालिके दीजैअवलं
बजगदंबनबिलंबकीजेकरुनातरंगिनीकृपातरंगमालिके
रोषमहामारीपरितोषमहतारीदुनीदेषियेदुषारीमुनिमानस
मरालिके २०९ निपटबसेरेअघश्रोगुनघनेरेनरनारिउअ

मेरिजगरंकवेरीचेरेहैं दारिदुषारीदेविभूसुरभिषारीभीरलोभ मोहकामकोहकलिमलघेरेहै लोकरीतिराषीरामसाषीवामदेव जानिजनकीविनतीमानिमातुकहिमेरेहैं महामारीमहेसानीम हिमाकीषानीमोदमंगलकीरासीकासीवासीदासतेरेहैं ३१० लोगनको पापकैधौसिद्धसुरसापकैधोकालकेप्रतापकासीति हूतापतईहै ऊंचेनीचेवीचकैधनिकरंकराजारायहठनिबजाई करिडीठिपीठिदईहै देवतानिहोरेमहामारीनसोकरजोरेभोरा नाथजानीमोरेअपनीसीकहीठईहै करुणानिधानहनुमान वीरबलवानजसरासिजहांतहांतैसीलूटिलईहै ३११ संकरस हरसरनारिनरबारिचारिबिकलमहामारिमहामायाभईहै उछरतउतरातहहरातमरिजातभभरिभगातजलथलमीचुमई है देवनदयालमहिपालनकृपालचितबारानसीबाढतअनी तनितनईहै पाहिरघुराजपाहिकपिराजरामदूतरामहूकी बिगरीतुहीसुधारिलईहै ३१२ एकतोकरालकलिकालसू लमूलतामेकोढमेकीषाजसीसनीचरीहैमीनकी बेदधर्मदूरि गयेभूपचोरभूपभयेसाधुसिद्यमानजानबीतेपापपीनकी दूस रोकोदूसरोनद्वाररामदयाधामरावरीईगतिबलिबिभवबिहीनकी लागैगीपैलाजवाविराजमाननिरदहिमहाराजआजजोनदेतदादिदीनकी ३१४ रामनाममातपितुस्वामीसमरथहितुआस रामनामकीभरोसोरामनामको प्रेमरामनामहीसोनेमरामनामही कोजानोनमरमपगदाहिनोनवामको स्वारथसकलपरमारथको रामनामरामनामहीनतुलसीनकाहूकामको रामकीसपथसर्व समेरामनामकामधेनुकामतरुमोसेछीनछामको ३१५ सवैया

मारगमारिमुमारिकुमारगकोटिककैधनजीतिकैलीयो संकरको
रिसोपापकोदमपरीछ्तिजाहिगेजारिकेहीयो कासीमेकंटकजे
तेभयेतेपाइअघाइकैआपनोकीयो आजुकिकालिपरोकिनः
रोजडजाहिगेचाटिदेवारकोदीयो ३१६ कुंकुमरंगसुअंगजि
तोमुषचंदसोहोडपरीहे बोलतबोलसमिद्धचुवैअवलोकतसो
चविषादहरीहे गौरीकोगंगबिहंगनिबेषकिमंजुलमूरतिमोद
भरीहै पेषिसप्रेमपयानसमैसबसोचबिमोचनछेमकरीहे ३१७
मंगलकीरासिपरमारथकीषानिजाकीबिरचीबनाइबि
धिकेशवबसाईहै प्रलयहूकालराषीसूलपानिसूलपरमीचुवस
नीचसोउछाहनषसाईहे छोडिछितिपालजोपरीछितभयेकृ
पालभलोकियोषलकोनिकाईसोनसाईहे पाहिहनुमानकरु
नानिधानरामपाहिकासीकामधेनुकलिकुहतकसाईहे ३१८
बिरचीबिरंचिकीबसतबिस्वनाथकीजोप्रानहूतेप्यारीपुरीके
सवकृपालकी जोतिरूपलिंगमयीअगिनितलिंगमयीमोछ
बितरनिबिदरनिजगजालकी देवीदेवदेवसरिसिद्धमुनिबरबासे
लोपतिबिलोकतिकुलिपिभौंडेभालकी हाहाकरैतुलसीद
यानिधानरामऐसीकासीकीकदर्थनाकरालकलिकालकी
३१९ आश्रमबरनकलिबिबसबिकलभयेनिजनिजमरजा
दमोटरीसीडारदी संकरसरोषमहामारिहितेजानियतसाहि
बसरोषदुनीदिनदिनदारकी नारिनरआरतपुकारतसुनैन
कोऊकाहूदेवननिमिलिमोठीमुठीमारदी तुलसीसभीतपाल
सुमिरेकृपालरामसमैसुकरुनासराहिसनकारदी ३२० इति
श्रीगोसाईतुलसिदासकृतकवित्तरामायणसम्पूर्णशुभमस्तु

गुसाँईतुलसीदास